

'गलतियाँ वही करते हैं जो कुछ करने की कोशिश करते हैं, क्योंकि असफलता ही सफलता की पहली सीढ़ है

### तिलक नगर थप्पड़ कांड में नया मोड़, दोनों पक्षों की शिकायतों की जांच शुरू



नई दिल्ली, एजेंसी। तिलक नगर में सड़क की गुणवत्ता जांच के दौरान पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा पर युवक को थप्पड़ मारने के आरोप के बाद शुरू हुआ विवाद अब दोनों पक्षों की शिकायतों तक पहुंच गया है। पुलिस ने साहिब सिंह की शिकायत मिलने की पुष्टि की है और मामले से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, अभी मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद आम आदमी पार्टी ने प्रवेश वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। आप नेताओं का आरोप है कि सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठाने और मौके की वीडियो रिकॉर्डिंग करने के कारण साहिब सिंह के साथ मारपीट की गई। पार्टी ने मंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए मामले को राजनीतिक मुद्दा बना दिया है। वहीं, प्रवेश वर्मा ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों के बीच कहा है कि मौके पर आप कार्यकर्ताओं की ओर से उनके परिवार के बारे में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। उन्होंने कहा कि परिवार के बारे में इस तरह की टिप्पणी स्वीकार नहीं की जा सकती। वर्मा ने आप विधायक जरनैल सिंह पर पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के माध्यम से ठेकेदारों से कमीशन मांगने और निर्माण कार्य में हस्तक्षेप करने के आरोप भी लगाए हैं। इस बीच मामले में नया पहलू तब सामने आया, जब पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों और सड़क निर्माण से जुड़े ठेकेदार की ओर से भी विधायक जरनैल सिंह के खिलाफ शिकायतें दी गईं। शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि विधायक ने निर्माण कार्य रुकवाने की कोशिश की और सड़क को नुकसान पहुंचाया।

### तमिलनाडु में स्कूल को मान्यता दिलाने में बड़ा फर्जीवाड़ा



चेन्नई, इएमएस पुलिस की केंद्रीय अपराध शाखा ने निजी स्कूल को मान्यता दिलाने में कथित फर्जीवाड़ा के मामले में फरार आरोपी मुथुकुमार के रिश्तेदारों से जुड़े कार्रवाइयों पर तलाशी ली। शनिवार को कल्लक्कुची जिले में चलाए गए इस अभियान में मुथुकुमार के रिश्तेदारों सरवनन और रमेश के घरों के अलावा गोकुलकृष्ण के घर और दुकान पर तलाशी ली गई। अधिकारियों ने बताया कि इस कार्रवाई के दौरान बैंक से संबंधित रिकॉर्ड समेत 30 दस्तावेज जब्त किए गए। इस संबंध में जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुथुकुमार चेन्नई के टी. नगर में 'लॉबल 360 डिग्री' नाम की फर्म चलाता था। आरोप है कि उसने तमिलनाडु स्कूल शिक्षा विभाग से सरकारी मान्यता दिलाने का झूठा वादा कर निजी स्कूल प्रबंधन से पैसे लिए। सीसीबी की जांच में सामने आया कि मुथुकुमार का रिश्तेदार सरवनन इन वित्तीय लेनदेन में उसका सहयोगी था। पुलिस आयुक्त के समक्ष दर्ज कराई गई शिकायत के बाद सीसीबी ने मामला दर्ज किया। मामले में तीन आरोपियों - बी.टी. अरसकुमार, सुरेश और राजा को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अब तक जुटाए गए स्कूल शिक्षा मंत्री अनबिल मंशे के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत भी कार्रवाई शुरू की गई है।

## उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण के लिए शाही मस्जिद का हिस्सा हटाया, तनाव के बीच पथराव, स्थिति नियंत्रण में



उज्जैन, एजेंसी। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत कंठाल चौराहे से गोपाल मंदिर तक सड़क चौड़ीकरण के लिए शाही मस्जिद का बाधक हिस्सा हटाने की कार्रवाई के दौरान सोमवार सुबह उज्जैन में तनाव की स्थिति बन गई। प्रशासन और मुस्लिम समाज के बीच सहमति के बाद समाज के लोग मस्जिद का सड़क सीमा में आ रहा हिस्सा हटाने पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने विरोध करते हुए पुलिस पर पथराव कर दिया। स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। पथराव में क्राइम ब्रांच की महिला थाना प्रभारी पुष्पा पांचाल घायल हो गईं।



घायल टीआई

इधर, मुस्लिम समुदाय के लोग आगे रहकर प्रभावित हिस्से को हटाने में जुटे हुए हैं। मस्जिद की ओर कार्रवाई जारी है, जबकि पुलिस ने मौके पर मोर्चा संभाल रखा है। मौके पर तनावपूर्ण स्थिति के बीच सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

### स्थिति पूर्ण नियंत्रण में, पैनिक न करें

घबराने और डरने की कोई जरूरत नहीं है पुलिस और प्रशासन की टीम हर विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैनात है। मामूली घटनाओं को तूल नहीं देना चाहिए, पर्याप्त पुलिस बल मौजूद है।

उज्जैन पुलिस

### मुस्लिम भी स्वेच्छा से हटा रहे अतिक्रमण

शहर काजी खलिकुर रहमान के अनुसार शाही मस्जिद तोड़े जाने को लेकर विशेष संप्रदाय के एक धड़े के लोग मस्जिद तोड़ने को राजी थे, जो कि मस्जिद तोड़ भी रहा है लेकिन दूसरी ओर इसी संप्रदाय के एक अन्य धड़े ने मस्जिद तोड़े जाने पर नाराजगी जताते हुए विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। टंकी चौक से शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन में सबसे पहले महिलाओं को शाही मस्जिद भेजने का प्रयास किया गया था, जिसे पुलिस टीम ने विफल कर दिया बाद में अंडा गली के पास के क्षेत्र से फिर से कुछ युवा अंदर आने का प्रयास करने लगे और विरोध भी शुरू हो गया लेकिन पुलिस ने इस पर जब सख्ती बरती तो शांति से चल रहा है या प्रदर्शन उग्र प्रदर्शन में तब्दील हो गया, जिसमें कुछ युवाओं ने शाही मस्जिद की ओर आने का प्रयास किया और पथराव करने लगे। जवाब में पुलिस ने भी आंसू गैस के गले छोड़कर पूरी स्थिति नियंत्रण में करने का प्रयास किया है।

## लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में रातभर बवाल!

### पुलिस से झड़प के बाद 10 दिनों के लिए बंद हुआ कैंपस

फगवाड़ा,इएमएस। पंजाब के स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में रविवार रात एक बार फिर स्थिति बेहद तनावपूर्ण हो गई। कैंपस में एक छात्रा के साथ कथित रेप और आत्महत्या की अफवाह फैलने के बाद छात्रों का प्रदर्शन हिंसक रूप ले लिया। आ छात्रों और पुलिसकर्मीयों के बीच हुई तीखी झड़प में कई पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और कई जवान घायल हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने अगले 10 दिनों के लिए यूनिवर्सिटी बंद कर दी है और मिड-टर्म परीक्षाओं को भी टाल दिया है। प्रदर्शनकारियों ने जालंधर-दिल्ली नेशनल हाईवे को ब्लॉक कर दिया था, जिसे देर रात पुलिस बल



फुटेज खंगाले जा रहे हैं और अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा रही है। पंजाब के फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में शुक्रवार रात कैंपस में रहने वाली एक छात्रा के साथ कथित रेप और बाद में आत्महत्या की अफवाह सोशल मीडिया पर तेजी से फैलने के बाद तनाव पैदा हो गया।

ने मशकत के बाद खाली कराया। वहीं यूनिवर्सिटी की रजिस्टर डॉ. मोनिका गुलाटी ने सभी आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए इसे यूनिवर्सिटी की छवि खराब करने की साजिश करार दिया है। पुलिस प्रशासन (जालंधर रेंज) ने स्पष्ट किया है कि अफवाह फैलाने वालों और हिंसा करने वालों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा रही है। पंजाब के फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में शुक्रवार रात कैंपस में रहने वाली एक छात्रा के साथ कथित रेप और बाद में आत्महत्या की अफवाह सोशल मीडिया पर तेजी से फैलने के बाद तनाव पैदा हो गया।

## निधि तिवारी की मौत के मामले में फोन कॉल और आखिरी सोशल मीडिया पोस्ट की जांच

सिंगरौली, एजेंसी। करीब 16 लाख फॉलोअर्स वाली सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर निधि तिवारी की मौत के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। मोरवा थाना क्षेत्र के भूसा मोड़ निवासी 30 वर्षीय निधि की मौत के बाद अब घटना से पहले हुई फोन पर बातचीत और उनकी सोशल मीडिया गतिविधियों से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की जा रही है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर सभी पहलुओं से जांच शुरू की है। ताजा जानकारी के मुताबिक, घटना के समय निधि फोन पर एक युवक से बातचीत कर रही थीं। रिपोर्टों के अनुसार, बातचीत के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ और इसके बाद निधि ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। फोन पर बात कर रहे युवक ने निधि की मां को सूचना दी, जिसके बाद परिजन कमरे तक पहुंचे। निधि को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस अब इस फोन कॉल से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। कॉल रिकॉर्ड और बातचीत के उपलब्ध विवरण के आधार पर घटना से पहले की परिस्थितियों को समझने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने से पहले मौत के पीछे किसी एक कारण को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा।



### लैंडिंग के दौरान इंडिगो विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकराया, सभी यात्री सुरक्षित



बेंगलुरु, एजेंसी। गुवाहाटी से बेंगलुरु आ रहे इंडिगो के विमान 6ई 6542 का पिछला हिस्सा केम्पेगौड़ा अंतराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर लैंडिंग के दौरान रनवे से टकरा गया। घटना के बाद विमान

सुरक्षित रूप से उतर गया और उसमें सवार सभी यात्री तथा चालक दल के सदस्य सुरक्षित रहे। विमान को जांच के लिए सेवा से हटा दिया गया है। जानकारी के अनुसार, विमान ने पहली बार लैंडिंग का प्रयास किया, लेकिन लैंडिंग पूरी नहीं हो सकी और विमान ने गो-आरउंड किया। इसके बाद दूसरी कोशिश के दौरान विमान के पिछले हिस्से का रनवे से संपर्क हुआ। विमान ने इसके बावजूद सुरक्षित लैंडिंग पूरी की और यात्रियों को उतार लिया गया। इंडिगो ने घटना को 'असामान्य रनवे संपर्क' बताया है। एयरलाइन के अनुसार घटना के समय बेंगलुरु में तेज हवाएं चल रही थीं। संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार सूचना दे दी गई है।

## आज मध्य भारत में दिन-रात लगभग बराबर

भोपाल, एजेंसी। 28 सितंबर को मध्य भारत के कई हिस्सों में दिन और रात की अवधि लगभग बराबर दिखाई देगी। सूर्योदय से सूर्यास्त तक का समय करीब 12 घंटे रहने के कारण यह खगोलीय घटना विशेष मानी जा रही है। खास बात यह है कि यह स्थिति 23 सितंबर के इक्कीनॉक्स के कुछ दिन बाद बन रही है।

नेशनल अवार्ड प्राप्त खगोल विज्ञान प्रसारक सारिका धारू ने बताया कि आमतौर पर लोग 23 सितंबर के इक्कीनॉक्स को ही दिन और रात बराबर होने की तारीख मान लेते हैं। हालांकि, किसी स्थान पर धरातल से दिखाई देने वाले सूर्योदय से सूर्यास्त तक का समय करीब 12 घंटे होने की स्थिति को इक्कीलक्स कहा जाता है। इसलिए इक्कीनॉक्स और इक्कीलक्स की तारीख एक जैसी होना जरूरी नहीं है। इक्कीनॉक्स उस खगोलीय घटना को कहा जाता है, जब सूर्य की किरणें पृथ्वी की भूमध्य रेखा पर लगभग सीधी पड़ती हैं। इस दौरान सूर्य आकाशीय भूमध्य रेखा को पार करता है और पृथ्वी के कई



हिस्सों में दिन-रात की अवधि करीब बराबर होने लगती है। यह एक व्यापक खगोलीय घटना है, जबकि इक्कीलक्स किसी विशेष स्थान पर सूर्योदय से सूर्यास्त तक लगभग 12 घंटे का अंतराल बनने से जुड़ा है। इसी अंतर के कारण 23 सितंबर के इक्कीनॉक्स के बावजूद मध्य भारत के कुछ शहरों में 12 घंटे के दिन की स्थिति कुछ दिन बाद बनती है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 28 सितंबर को इन क्षेत्रों में दिन की अवधि 12 घंटे से महज कुछ सेकंड कम या ज्यादा रहने वाली है।

## उत्तराखंड में बर्फबारी के बीच 136 पर्वतारोही फंसे बिहार में 82 हजार लोग प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में लगातार बारिश और बर्फबारी से हालात चुनौतीपूर्ण हो गए हैं। उत्तरकाशी जिले के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में 136 पर्वतारोही, ट्रैकर और सहयोगी स्टाफ अलग-अलग स्थानों पर फंसे हैं। प्रशासन ने उन्हें सुरक्षित निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान तेज कर दिया है। जिला प्रशासन के अनुसार सभी लोग सुरक्षित हैं और सैटेलाइट संचार के माध्यम से उनसे लगातार संपर्क किया जा रहा है। उत्तरकाशी में फंसे लोगों में हाई अल्टीट्यूड एक्सपीडिशन के 89 सदस्य, कालिंदी पास बेस कैंप के 18 और ऑडिन कोल पास बेस कैंप के 29 सदस्य शामिल हैं। खराब मौसम के कारण रेस्क्यू अभियान मौसम की स्थिति के अनुरूप संचालित किया जा रहा



कें समीप पहाड़ी से अचानक पथर और मलबा गिरने से पांच वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। नेपाल में हुई भारी बारिश के बाद बिहार की नदियों का जलस्तर बढ़ने से पश्चिम चंपारण और सुपौल में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार दोनों जिलों के 11 प्रखंडों की 23 ग्राम पंचायतों में करीब 82 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

है। बागेश्वर में भी 43 पर्वतारोहियों को सुरक्षित स्थान पर रोका गया है। इस तरह उत्तराखंड में कुल 179 ट्रैकर्स और पर्वतारोही अलग-अलग स्थानों पर प्रभावित हुए हैं। केदारनाथ मार्ग पर पथर-मलबा गिरने से पांच वर्षीय बच्चे की मौत, 1500 यात्री सुरक्षित निकाले। केदारनाथ पैदल मार्ग पर चौरबासा

### अफगानिस्तान-पाकिस्तान में फिर बढ़ रहा टकराव

## काबुल बोला- 28 मार गिराए इस्लामाबाद ने खारिज किया

काबुल इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी करते हुए दावा किया कि पाकिस्तान की तरफ से घुसपैठ के बाद, अफगान सेना ने सीमावर्ती नूरिस्तान प्रांत में 28 चरमपंथियों को मार गिराया है। मंत्रालय का कहना है कि उन्हें च्याकिस्तानी मिलिशिया का समर्थन और बढ़ावाज मिलता हुआ था। नूरिस्तान प्रांत के कामदेश जिले के आस-पास, पाकिस्तानी मिलिशिया के समर्थन और बढ़ावा देने पर, अशांति फैलाने और असुरक्षा पैदा करने के मकसद से दाइश (छद्मदह्राज) से जुड़े कई समूहों और उपद्रवी तत्वों को ड्रूंड लाइन पार करके अफगान इलाके में भेजा गया।

28 को मारने का किया दावा- अफगानिस्तान ने कहा की दुश्मन की इस खतरनाक साजिश का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार, देश की सतर्क सुरक्षा और रक्षा बलों ने उनके खिलाफ तेजी से कार्रवाई शुरू की। अफगानिस्तान ने इस ऑपरेशन में 28 को मार गिराया, जबकि 32 को जिंदा पकड़ लिया है। कई अन्य लोग भी ड्रूंड लाइन से पाकिस्तानी मिलिशिया के ठिकानों



की ओर भाग गए। इसके उलट पाकिस्तान की सेना ने दावा किया है कि उसके सैनिकों ने पिछले 96 घंटों में दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में कई अभियानों के दौरान 71 से ज्यादा उग्रवादियों को मार गिराया है। हाल के हफ्तों में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। सीमा पार झड़पों और पाकिस्तानी सेना द्वारा काबुल क्षेत्र पर किए गए हवाई हमलों ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच अपनी-अपनी सीमाओं पर आतंकवादी गतिविधियों को लेकर चल रहे विवाद को और बढ़ा दिया है। हालांकि, पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने अफगानिस्तान के दावों का खंडन किया है।



## हड़ताल टलने से राहत बैंक शाखाओं में सामान्य कामकाज

नई दिल्ली, एजेंसी। 28 सितंबर से प्रस्तावित बैंक कर्मचारियों की तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल फिलहाल टाल दी गई है। इंडियन बैंक्स एसोसिएशन और यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के बीच हुई बैठक में लंबित मांगों पर चर्चा के बाद हड़ताल स्थगित करने पर सहमति बनी। इसके साथ ही बैंक शाखाओं में सामान्य कामकाज जारी रहा और ग्राहकों को हड़ताल के कारण होने वाली सभायित परेशानी से राहत मिली। यूएफबीयू के मुताबिक, आईबीए और कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच हुई बैठक में पांच दिवसीय बैंकिंग हड़ताल सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के बाद आंदोलनात्मक कार्यक्रमों को स्थगित करने का निर्णय लिया गया। पहले प्रस्तावित हड़ताल के कारण सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और कुछ निजी बैंकों की शाखाओं में लेनदेन, नकद जमा-निकासी

और अन्य बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होने की आशंका थी। बैठक में सभी शनिवार को अवकाश घोषित करने के मुद्दे पर आगे बातचीत के लिए आईबीए और यूएफबीयू की एक उच्चस्तरीय समिति तत्काल गठित करने का फैसला किया गया। यह समिति पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह से जुड़े सभी विक्तियों पर विचार करेगी। साथ ही विभिन्न हितधारकों से चर्चा कर ऐसा समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा, जिससे कर्मचारियों और बैंक ग्राहकों के हितों के बीच संतुलन बनाया जा सके। बैंक कर्मचारियों संगठन लंबे समय से सभी शनिवार को अवकाश घोषित कर सप्ताह में पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग कर रहे हैं। वर्तमान व्यवस्था में दूसरे और चौथे शनिवार को बैंक बंद रहते हैं, जबकि पहले और तीसरे शनिवार को शाखाओं में कामकाज होता है।

### घड़ी मिला लीजिए, प्रकृति करेगी टाइम-मैनेजमेंट

व्यावहारिक रूप से दिन और रात लगभग बराबर हिस्सों में बटे नजर आएंगे। सूर्योदय और सूर्यास्त का वास्तविक समय केवल सूर्य की स्थिति से तय नहीं होता। पृथ्वी का वायुमंडल भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वायुमंडलीय अपवर्तन के कारण सूर्य क्षितिज पर अपनी वास्तविक ज्यामितीय स्थिति से थोड़ा ऊपर दिखाई देता है, जिससे सूर्योदय और सूर्यास्त के समय में अंतर आता है।

इसके अलावा सूर्य को दिखाई देने वाले पिंड के रूप में मापने की प्रक्रिया में भी उसकी डिस्क का आकार प्रभाव डालता है। इसी वजह से खगोलीय गणना में सूर्य की ज्यामितीय स्थिति और धरातल से दिखाई देने वाले सूर्योदय-सूर्यास्त के समय में थोड़ा अंतर रहता है। यही अंतर इक्कीनॉक्स और इक्कीलक्स की तारीखों में कुछ दिनों का फर्क पैदा कर सकता है। 28 सितंबर की यह स्थिति इस बात का उदाहरण है कि प्रकृति में दिन और रात का संतुलन खगोलीय गणनाओं के अनुरूप किस तरह बदलता है।

# राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर लगाए आरोपों पर बरसे सीएम मोहन यादव

बोले- संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने से पहले कांग्रेस अपने आचरण पर करे आत्ममंथन

भोपाल, यश भारत ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा निर्वाचन आयोग को लेकर लगाए गए आरोपों पर सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक असहमति के लिए पूरी जगह है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा का सम्मान करना भी जरूरी है। राहुल गांधी ने हाल ही में निर्वाचन आयोग और चुनाव प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं।

भजपा प्रदेश कार्यालय में हुई प्रचारवाता के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष के नेता का पद लोकतंत्र में महत्वपूर्ण है। इसलिए निर्वाचन आयोग, सुप्रीम कोर्ट और अन्य संवैधानिक संस्थाओं को लेकर सार्वजनिक बयान देते समय जिम्मेदारी और संयम बरतना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल आरोप लगाने के बजाय संबंधित संस्थाओं के जवाब और न्यायिक प्रक्रिया को भी सामने रखना चाहिए।



डॉ. यादव ने कांग्रेस के राजनीतिक इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्टी को अपने अतीत और वर्तमान राजनीतिक आचरण पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष की भी जिम्मेदारी होती है और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए दोनों पक्षों को अपनी भूमिका गंभीरता से निभानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी के विभिन्न राजनीतिक बयानों का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस लगातार अलग-अलग मुद्दों पर सरकार, सेना और संवैधानिक संस्थाओं को लेकर सवाल उठाती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार विरोध दर्ज कराने के दौरान भाषा की मर्यादा का भी ध्यान नहीं रखा जाता।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर कांग्रेस की ओर से उठाए गए सवालों के बीच आयोग ने भी अपनी स्थिति स्पष्ट की है। आयोग के अनुसार एसआईआर से जुड़े निर्णयों पर किसी चुनाव आयुक्त ने अंतिम फैसले के खिलाफ औपचारिक असहमति दर्ज नहीं कराई थी और संबंधित आदेशों पर तीनों सदस्यों के हस्ताक्षर थे। डॉ. यादव ने कहा कि कांग्रेस को लगातार चुनावी परिणामों और संगठन की स्थिति की समीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता के जनादेश को स्वीकार करना लोकतंत्र की मूल भावना है। राजनीतिक दलों को अपनी कमियों पर आत्ममंथन करते हुए जनता के

बीच अपनी बात रखनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी से निर्वाचन आयोग को लेकर लगाए गए आरोपों के संदर्भ में स्पष्टीकरण और माफी की मांग भी की। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर आरोप लगाने के बजाय राजनीतिक दलों को तथ्यों के आधार पर अपनी बात रखनी चाहिए। डॉ. यादव ने कहा कि भारत के लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखना सभी राजनीतिक दलों की सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे समय में जब पड़ोसी देशों में राजनीतिक अस्थिरता की स्थितियां देखने को मिल रही हैं, भारत में लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास और संवैधानिक मर्यादाओं को बनाए रखना और भी जरूरी हो जाता है।



## भोपाल मास्टर प्लान का ड्राफ्ट जारी होने पर व्यापारियों ने जताया आभार

हिरदाराम नगर, यशभारत

मास्टर प्लान (विकास योजना-2047) का ड्राफ्ट जारी होने पर भोपाल व सतनगर के व्यापारी संघों एवं व्यावसायिक संगठनों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार जताया है। भोपाल भाजपा जिलाध्यक्ष रवींद्र यादव ने नेतृत्व एवं बीसीसीआई अध्यक्ष गोविंद गोयल की उपस्थिति में व्यापारी प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री निवास पहुँचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की और उनका स्वागत किया। इस अवसर पर सत हिरदाराम नगर एवं भोपाल के प्रमुख व्यापारी प्रतिनिधि कन्हैया लाल ईसरानी, वासुदेव वाधवाणी, नरेंद्र लालबानी, प्रवीण प्रेमचंदानी, दिनेश वाधवाणी सहित विभिन्न व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। व्यापारियों का कहना है कि नवीन मास्टर प्लान से शहर के व्यापारिक परिदृश्य को नई दिशा मिलेगी और बुनियादी ढाँचे का तीव्र गति से विकास होगा।

## भोपाल विज्ञान मेले देखा मिठी स्कूल के बच्चों ने

नवीन प्रयोगों, नवाचारों और वैज्ञानिक उपलब्धियों से हुए परिचित



हिरदाराम नगर, यशभारत

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने 13वें भोपाल विज्ञान मेले 'दर्शन' का शैक्षिक भ्रमण एवं अवलोकन किया। यह विज्ञान मेला बरकतउल्ला विश्वविद्यालय परिसर स्थित ज्ञान-विज्ञान भवन एवं हैलीपैड मैदान, भोपाल में आयोजित किया। विद्यार्थियों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नवीन प्रयोगों, नवाचारों और वैज्ञानिक उपलब्धियों से परिचित कराते हुए उनमें जिज्ञासा, तार्किक चिंतन, समस्या-समाधान की क्षमता तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना रहा। मेले के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों, प्रयोगों, तकनीकी नवाचारों एवं ज्ञान-विज्ञान से संबंधित प्रदर्शनों का उत्सुकतापूर्वक अवलोकन किया। संस्थान सचिव घनश्याम बूलचंदानी का कहना है कि इस तरह के वैज्ञानिक मेले निश्चित ही छात्रों की विज्ञान विषय संदर्भित जिज्ञासाओं को प्रबल करते हैं तथा उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के सबल माध्यम भी बनते हैं। विद्यालय की प्राचार्या रेखा केवलानी व उप प्राचार्या दिव्या कुपलानी का कहना है कि 'ऐसे शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़कर विज्ञान को अनुभव करने और उसके व्यावहारिक पक्ष को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही नवाचार की आधारशिला है।

## रानी कमलापति स्टेशन पर मन की बात का सामूहिक श्रवण

भोपाल, यश भारत। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर विचार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 138वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण किया गया। बड़ी संख्या में कुलियों, यात्रियों और रेलकर्मियों ने उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। स्टेशन परिसर में यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री का संबोधन ध्यानपूर्वक सुना। इस अवसर पर सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया सहित रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

## सालाना 50 से 55 हजार रुपये तक का अतिरिक्त भार, सरकार से राहत की मांग टैक्सी चालकों ने उठाए शुल्क और रोजगार से जुड़े सवाल

भोपाल यश भारत।

टैक्सी यूनिजन कल्याण समिति संपूर्ण भारत के भोपाल प्रभारी जावेद खान ने टैक्सी चालकों पर विभिन्न शुल्कों और औपचारिकताओं के नाम पर पड़ रहे आर्थिक बोझ को लेकर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि एक ओर निजी वाहनों और एग्जीग्रेटर आधारित सेवाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है वहीं दूसरी ओर वैध रूप से टैक्सी संचालन करने वाले चालकों पर लगातार आर्थिक भार बढ़ रहा है।



जावेद खान के अनुसार टैक्सी चालकों को पैनिक बटन के नाम पर करीब 14 से 18 हजार रुपये फिटनेस के लिए 2500 से 4000 रुपये परमिट के लिए 5 से 7 हजार

रुपये तथा इंश्योरेंस के लिए 20 से 25 हजार रुपये तक खर्च करना पड़ता है। उनका दावा है कि इन मदों को मिलाकर सालाना करीब 50 से 55 हजार रुपये तक का खर्च सामने

आता है। खान ने कहा कि टैक्सी चलाना हजारों परिवारों की आजीविका का मुख्य साधन है। ऐसे में शुल्क और अन्य खर्चों का बढ़ता बोझ उन चालकों के लिए गंभीर समस्या बन रहा है जो पूर्णकालिक रूप से इसी व्यवसाय पर निर्भर हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि परिवहन क्षेत्र में निजी वाहनों और एग्जीग्रेटर सेवाओं को बढ़ावा दिया जाता है तो पारंपरिक टैक्सी चालकों के रोजगार और भविष्य की सुरक्षा के लिए क्या व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने सरकार से मांग की कि पूर्णकालिक टैक्सी

चालकों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए शुल्क एवं अन्य अनिवार्य खर्चों की समीक्षा की जाए तथा रोजगार पर पड़ रहे प्रभाव का भी अध्ययन किया जाए। जावेद खान ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से टैक्सी चालकों की समस्याओं पर चर्चा कर समाधान निकालने की अपील की है। उन्होंने कहा कि टैक्सी चालक अपने परिवारों के भरण पोषण के लिए इसी व्यवसाय पर निर्भर हैं इसलिए नीतियां बनाते समय उनके हितों और आजीविका को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

## स्वर्ण पालकी में विराजित श्रीजी की निकली भव्य जययात्रा

## एकम के जुलूस का कैलाश परमार मित्र मंडल ने किया स्वागत

आष्टा, यश भारत।

दिगंबर जैन समाज के दस लक्षण पर्वपूषण पर्व के समापन के बाद किला जैन मंदिर से एकम की भव्य जययात्रा निकाली गई। स्वर्ण पालकी में विराजित श्रीजी की प्रतिमा को नगर के प्रमुख मार्गों से भ्रमण कराया गया। चातुर्मास के लिए नगर में विराजमान मुनिश्री सागर जी महाराज और मुनि अगर्भ सागर जी महाराज संसंध ने भी जुलूस की शोभा बढ़ाई। जुलूस में आकर्षक रथ, बगियाँ और ढोल शामिल रहे। नगर के विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों ने जगह-जगह जुलूस का स्वागत किया। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष कैलाश परमार ने अपने मित्र मंडल के साथ श्रीजी की पूजा-अर्चना की। प्रगति पथ पर प्रगति परिवार की ओर से भी श्रीजी का पूजन कर मुनिश्री की चरणवंदना की गई। इस अवसर पर दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष आनंद पोरवाल, चातुर्मास समिति



संयोजक गोपी सेठी, सहसंयोजक आयुष जैन सहित समाज के अनेक पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। सकल हिंदू समाज अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाह सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी जुलूस में शामिल होकर पूजन-अर्चना किया। आयोजकों की ओर से समाज के पदाधिकारियों का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया।

## सिंधी गरबा महोत्सव का पोस्टर विमोचन



हिरदाराम नगर, यशभारत

सिंधी मेला समिति द्वारा आयोजित किए जाने वाला भव्य 'सिंधी गरबा महोत्सव' इस वर्ष अपने 20वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। चार दिवसीय यह गरबा महोत्सव 15 से 18 अक्टूबर तक लालघाटी स्थित सुंदरवन गार्डन में रोजाना शाम 7:00 बजे से रात 11:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। महोत्सव की तैयारियों को लेकर रविवार को गुरुनानक टेकरी स्थित कबीर कुटिया में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान बैठक संपन्न हुई।

## 14 अक्टूबर तक जारी रहेगा 7 केंद्रों पर प्रशिक्षण

बैठक में भोपाल शहर में संचालित सभी 07 गरबा प्रशिक्षण केंद्रों के व्यवस्थापकों ने भाग लिया और अपने-अपने केंद्रों की प्रगति रिपोर्ट साझा की। उल्लेखनीय है कि 13 सितंबर से शुरू हुआ यह निःशुल्क गरबा प्रशिक्षण 14 अक्टूबर तक निरंतर जारी रहेगा।

## 28 सितंबर को दिखेगा इक्वीलक्स का असर, कुछ सेकंड का रहेगा अंतर

## आज मध्य भारत में दिन-रात का करीब 12-12 घंटे का संतुलन

यश भारत, भोपाल ।

मध्य भारत में आज सोमवार को दिन और रात की अवधि लगभग बराबर रहने वाली है। मध्य प्रदेश के कई शहरों में सूर्योदय से सूर्यास्त तक का समय करीब 12 घंटे रहेगा। खगोलीय विज्ञान में इस स्थिति को इक्वीलक्स कहा जाता है। हालांकि यह स्थिति सितंबर में होने वाले इक्वीनॉक्स से अलग है। राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त खगोल विज्ञान प्रसारक सारिका धारू के अनुसार, आमतौर पर माना जाता है कि इक्वीनॉक्स के दिन ही दिन और रात बराबर होते हैं, जबकि ऐसा जरूरी नहीं है। इक्वीनॉक्स सूर्य की आकाशीय स्थिति से जुड़ी घटना है, जबकि इक्वीलक्स किसी खास स्थान पर सूर्योदय से सूर्यास्त तक करीब 12 घंटे की अवधि बनने की स्थिति है।

## भोपाल में आज करीब 12 घंटे का दिन

28 सितंबर को भोपाल में सूर्योदय सुबह करीब 6:10 बजे और सूर्यास्त शाम करीब 6:10 बजे होगा। इस तरह यहां दिन की अवधि लगभग 11 घंटे 59 मिनट 59 सेकंड रहेगी। यानी दिन और



रात की अवधि में केवल कुछ सेकंड का अंतर रह जाएगा।

नर्मदापुरम में दिन की अवधि करीब 12 घंटे 8 सेकंड, रायसेन में 11 घंटे 59 मिनट 58 सेकंड और छिंदवाड़ा में करीब 12 घंटे 20 सेकंड रहने की गणना है।

## इक्वीनॉक्स और इक्वीलक्स में अंतर

सारिका धारू ने बताया कि इक्वीनॉक्स के दौरान सूर्य की किरणें भूमध्य रेखा पर लगभग लंबवत पड़ती हैं और दोनों गोलार्धों को लगभग समान प्रकाश मिलता है। वहीं इक्वीलक्स में किसी विशेष स्थान पर सूर्योदय से सूर्यास्त तक की अवधि लगभग 12 घंटे हो जाती है। सूर्योदय-सूर्यास्त के समय पर वायुमंडलीय अपवर्तन और सूर्य के ऊपरी किनारे के दिखाई देने का भी प्रभाव पड़ता है। इसी कारण इक्वीनॉक्स की तारीख और दिन-रात के लगभग बराबर होने की तारीख अलग हो सकती है।

## इसके बाद छोटी होती जाएगी दिन की अवधि

आज के बाद उत्तरी गोलार्ध में दिन की अवधि धीरे-धीरे कम और रातें लंबी होती जाएंगी। इस लिहाज से 28 सितंबर मध्य भारत में प्रकृति के दिन-रात के करीब-करीब 50-50 संतुलन को देखने की खास तारीख है।

## केंद्रीय व क्षेत्रीय समिति की बैठक में सर्वसम्मति से हुआ चयन रायसिंह मेवाड़ा बने मेवाड़ा समाज के निर्विरोध अध्यक्ष

आष्टा, यश भारत।

सेमनरी रोड स्थित मेवाड़ा समाज छात्रावास में केंद्रीय एवं क्षेत्रीय समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें समाज के प्रबुद्धजनों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं पूर्व मंत्री डायरेक्टर रायसिंह मेवाड़ा को सर्वसम्मति से समाज का नया अध्यक्ष चुना गया। सभी सदस्यों ने उनके नाम का समर्थन किया, जिसके बाद उन्हें निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया गया। बैठक की शुरुआत महाराणा प्रताप के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण से हुई। इसके बाद समाज के संगठन विस्तार, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन, शिक्षा को बढ़ावा देने और युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। अध्यक्ष चुने जाने के बाद रायसिंह



मेवाड़ा का फूलमालाओं और साफा पहनाकर स्वागत किया गया। नवनियुचित अध्यक्ष रायसिंह मेवाड़ा ने कहा कि समाज के वरिष्ठजनों ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे पूरी निष्ठा से निभाया जाएगा।

## नगर निगम की कार्रवाई, यातायात बाधित करने पर लगाया स्पॉट फाइन

## सार्वजनिक सड़क पर सामग्री रखने पर 10 हजार का फाइन

भोपाल, यश भारत।

सार्वजनिक मार्गों को अवरोधमुक्त रखने और यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए नगर निगम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जोन 4 के वाड 20 स्थित अट्टे सूजे खा इतवारा ट्रांसपोर्ट एरिया में सार्वजनिक सड़क पर निर्माण एवं विध्वंस सामग्री रखने पर निगम ने कार्रवाई की। संबंधित व्यक्ति पर 10 हजार रुपए का स्पॉट फाइन लगाया गया। नगर निगम जोन 4 अधिकारी मोहम्मद शहाब खान के अनुसार सड़क पर सामग्री रखे जाने से आम नागरिकों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी हो रही थी। सार्वजनिक मार्ग बाधित करने पर नियमानुसार कार्रवाई की गई। निगम ने नागरिकों से अपील की है कि सार्वजनिक सड़कों और मार्गों पर निर्माण सामग्री या अन्य सामान रखकर यातायात बाधित न करें। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर आगे भी जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी।

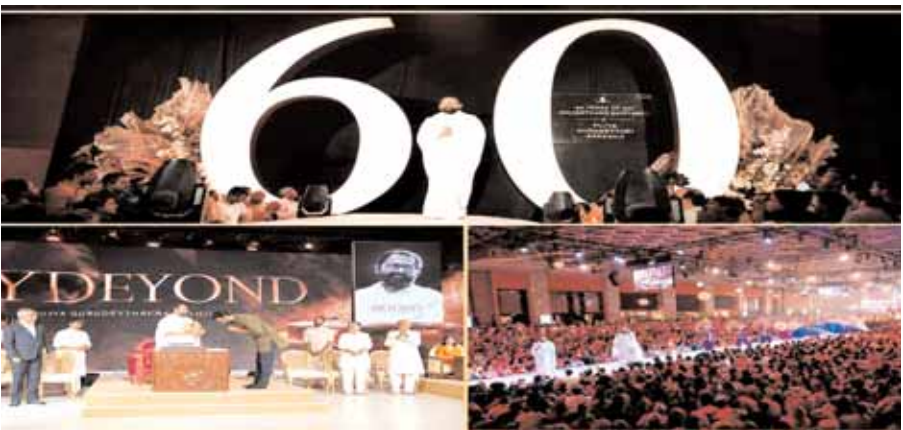


## 60 वर्षों की आध्यात्मिक यात्रा का उत्सव, मुंबई में जुटे 24 देशों के हजारों साधक

## विवेक, वैराग्य और आंतरिक वैभव की थीम पर हुआ दो दिवसीय आयोजन

मुंबई, यश भारत। श्रीमद् राजचंद्र मिशन धरमपुर की ओर से पूज्य गुरुदेवश्री राकेशजी के 60वें जन्मदिवस के अवसर पर 25 और 26 सितंबर को मुंबई के जियो सिव्ध समेलन केंद्र में दो दिवसीय 'आहो गुरुदेव' समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में 214 शहरों, 24 देशों और पांच महाद्वीपों से हजारों साधक शामिल हुए। दो दिवसीय आयोजन को विवेक, वैराग्य और आंतरिक वैभव की अवधारणा पर केंद्रित किया गया। कार्यक्रम में आध्यात्मिक प्रवचन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, धार्मिक अंगुष्ठान और सेवा गतिविधियां आयोजित की गईं। गुरुदेवश्री राकेशजी ने समारोह के दौरान सचेत होकर चुनाव करने, साहसपूर्वक त्याग करने और करुणापूर्वक सेवा करने के विषयों पर तीन प्रवचन दिए। पहले दिन वरिष्ठ स्वामी श्री आचार्य जेम्सजी ने गुरुदेवश्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सार्वभौमिक उत्सव के लिए 60 महत्त्वपूर्ण परिचयजनों का शुभारंभ किया गया। इनमें 30 परिचयजनों ने निस्वार्थ सेवा

किया गया। आयोजन में विभिन्न आध्यात्मिक परंपराओं के संतों और धर्मगुरुओं की भी उपस्थिति रही। इनमें स्वामी स्वर्णपानंदजी, ब्रह्माकुमारी सेंटर शिवानी, मोरारी बापू, आनंदकुमारी गुरुम और स्वामी चिदंबर सस्वती सहित अन्य संत शामिल रहे। समारोह में उद्योग, कला और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े कई प्रमुख लोग भी पहुंचे। नारायण मूर्ति, एन. चंद्रशेखरन और अभिनेता रणबीर कपूर समेत कई हस्तियों ने गुरुदेवश्री के सेवा और आध्यात्मिक कार्यों की सराहना की। मुंबई से शुरू हुआ यह वर्षभर चलने वाला समारोह देश के विभिन्न शहरों के साथ दुबई, लंदन, टोरंटो और अमेरिका के शहरों तक पहुंचेगा।





## संपादकीय

## भारत में बढ़ते पारिवारिक सामूहिक हत्याकांड: गंभीर चिंता का विषय



भारत में परिवार के भीतर एक साथ कई लोगों को हत्या या सामूहिक मौत को घटनाएँ समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। ऐसी घटनाओं से पीछे अक्सर पारिवारिक कलह, आर्थिक संकट, मानसिक तनाव, संपत्ति विवाद, नशे की समस्या और अंधविश्वास जैसे कई कारण सामने आते हैं। हालाँकि, किसी घटना के पीछे एक ही कारण मान लेना उचित नहीं है।

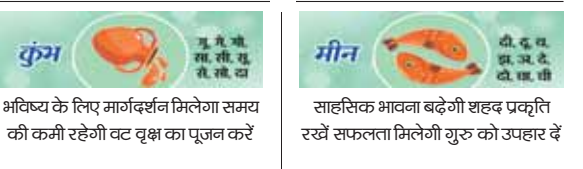
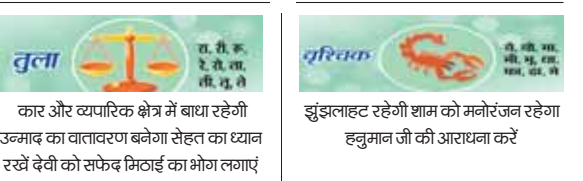
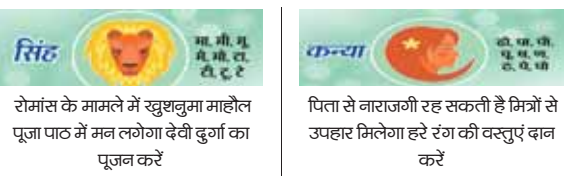
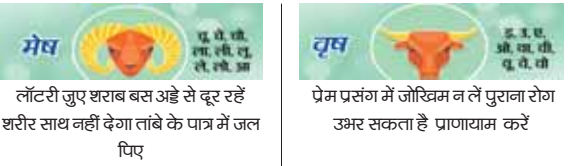
आर्थिक संकट और कर्ज ऐसे मामलों में महत्वपूर्ण कारक हो सकते हैं। व्यापार में भारी नुकसान, कर्ज, सट्टेबाजी या निवेश में बड़ी आर्थिक क्षति से व्यक्ति अत्यधिक तनाव में आ सकता है। इसके चेतावनी संकेत हैं—लगातार पैसों की चिंता, परिवार से आर्थिक स्थिति छिपाना, अचानक निराशा या चिड़चिड़ा रहना, नौकरी या कारोबार से जुड़ी गंभीर परेशानी और भविष्य को लेकर निराशाजनक बातें करना।

पारिवारिक कलह और संपत्ति विवाद भी हिंसा का कारण बन सकते हैं। जमीन-जायदाद, वैवाहिक संबंधों में तनाव या लंबे समय से चले आ रहे विवाद स्थिति को गंभीर बना सकते हैं। बार-बार धमकी देना, अत्यधिक शक करना, गुस्से में चीजें तोड़ना, परिवार के सदस्यों को नियंत्रित करना या हिंसा की बात करना गंभीर चेतावनी संकेत माने जाने चाहिए।

मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी भी जोखिम बढ़ा सकती है। अत्यधिक तनाव, गंभीर मानसिक बीमारी, नशे की समस्या या गुस्से पर नियंत्रण न होना व्यक्ति के व्यवहार को प्रभावित कर सकता है। अचानक व्यवहार में बड़ा बदलाव, सामाजिक रूप से अलग-थलग पड़ना, असामान्य डर या संदेह, नींद में भारी बदलाव, अत्यधिक उत्तेजना या खुद अथवा दूसरों को नुकसान पहुंचाने की बात को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

हालाँकि, मानसिक बीमारी को हिंसा का पर्याय मानना गलत है। अधिविश्वास और तंत्र-मंत्र से जुड़े विश्वास भी कुछ मामलों में गंभीर परिणाम दे सकते हैं। किसी व्यक्ति का परिवार को खतरनाक धार्मिक अनुष्ठानों के लिए मजबूर करना या वास्तविक समस्याओं के बजाय अलौकिक कारणों को जिम्मेदार बताना चेतावनी का संकेत हो सकता है। इन संकेतों को देखकर परिवार को व्यक्ति को अकेला छोड़ने के बजाय शान्तिपूर्वक बातचीत, भरोसेमंद लोगों की मदद और जरूरत पड़ने पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ या कानूनी सहायता लेनी चाहिए।

यदि किसी व्यक्ति से तत्काल हिंसा का खतरा हो, तो परिवार को पहले अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए स्थानीय पुलिस या आपातकालीन सहायता से संपर्क करना चाहिए। ऐसी घटनाओं की रोकथाम केवल सही के बाद कार्रवाई से नहीं, बल्कि समझ और खरटे के संकेत पहचानने, संवाद बढ़ाने और सहायता उपलब्ध करने से संभव है।



# विचार प्रवाह

**देह चली गई, स्वर रह गया – लता होने का अर्थ यही है**

**प्रसंगवश - 28 सितंबर: लता मंगेशकर जयंती**

कुछ आवाज़ें सुनी नहीं जाती-वे भीतर कहीं घटित होती हैं। वे कानों को देहरी लौंघकर स्मृतियों में उतरती हैं और फिर समय बीतने के साथ धुँधली होने के बजाय और उजली होती जाती हैं। लता मंगेशकर का स्वर ऐसी ही विलक्षण अनुभूति था। उन्होंने सुरों को केवल गाया नहीं, उन्हें भारतीय मन की धड़कन बना दिया। 28 सितंबर 1929 को इंदौर के एक साधारण मराठी परिवार में जन्मी हेमा को पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर ने 'लता' नाम दिया (पिता के नाटक भावबंधन की पात्र लतिका के नाम पर)। तब यह एक बच्ची का नाम था; आगे चलकर यही नाम भारतीय संगीत की सबसे उजली पहचान बन गया। पाँच वर्ष की उम्र में पिता के नाटकों से शुरु हुआ अभिनय धीरे-धीरे संगीत की ऐसी साधना में बदल गया, जिसने अंततः एक पूरे युग की ध्वनि रच दी।

जिस उम्र में सपने आकार लेते हैं, उसी उम्र में लता के कंधों पर परिवार की जिम्मेदारी आती है। 1942 में तेरह वर्ष की उम्र में पिता का निधन हुआ। लता की चिंता थी, भविष्य अनिश्चित था और संर्षण उम्र से सपना बड़ा। रोटी में परिस्थितियों के आगे झुकने के बजाय अपनी आवाज़ को सहारा बनाया। मराठी फिल्म 'किती हसाल' (1942) में उनका पहला गीत रिकार्ड हुआ (हालाँकि बाद में फिल्म के फ़ाइनल कट से हटा दिया गया), लेकिन हिंदी सिनेमा की राह आसान नहीं थी। नूरजहाँ की ओर शायदाद बेगम जैसी दमदार आवाज़ों के बीच उनकी कोमल आवाज़ को 'पतली' कहकर नकार दिया गया। उन्होंने जवाब बहस से नहीं, रियाज से दिया। 1948 की फिल्म मजबूर में गुलाम हैदर द्वारा दिए गए गीत 'दिल मेरा तोड़ा' में भी उन्हें महत्वपूर्ण पहचान मिली। फिर 1949 में 'महल' का 'आपणा आनेवाला' आया और उसी आवाज़ ने हिंदी पार्श्वगायन की दिशा बदल दी।

एक ही आवाज प्रेम, विरह और प्रार्थना—तीनों को अपना रूप दे सके, तो उसकी वाक्यता समझी जा सकती है। लता का स्वर किसी एक भाव को तब तक सीमित नहीं था। 'रंग जा गले' में प्रेम, 'तेरे बिना ज़िंदगी दो' में रिश्तों की कसक और 'आजा रे परदेसी' में विरह की तड़प थी। 'ज्योति कलश छलके' और 'ओ पालनहार' में वहीं स्वर भक्ति बन गया। वे केवल गीत नहीं गाती थीं, उसके भाव को स्वर देती थीं। 1962 के केली युद्ध के बाद, 26 जनवरी 1963 को गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम-

**विश्व हृदय दिवस 29 सितंबर 2026**

हृदय केवल शरीर का एक अंग नहीं, जीवन की धड़कन है। जब तक दिल धड़कता है, तब तक जीवन में उम्रिद, संवेदना, प्रेम और सम्पत्त के संभावनाएं बनी रहती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि आधुनिक सभ्यता ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, पर स्वस्थ और संतुलित बनाने में हम पीछे छूटते जा रहे हैं। हमारी तेज रफ्तार जिंदगी, तनाव, अनियमित बदनगुंथ, खान-पान की बदलती आदतें, शारीरिक निष्क्रियता और निरंतर मन की मानसिक बैचैनी हृदय पर ऐसा दबाव डाल रही हैं, जिसका परिणाम हृदय रोगों के बढ़ते खतरों के रूप में सामने आ रहा है।

हर वर्ष 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस मनाया जाता है। विश्व हृदय महासंघ के अनुसार हृदय एवं रक्तवाहिका संबंधी रोग दुनिया में मृत्यु का सबसे बड़ा कारण हैं और प्रतिवर्ष लगभग दस करोड़ लोगों की मृत्यु इन रोगों से होती है। वर्ष 2026 के विश्व हृदय दिवस का संदेश है - 'हृदय रोग कई बार सामने दिखाई नहीं देता, इसलिए उसके संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

जैसे अपने पूर्व के आलेख 'भारतीय दिल खतरे में' और हृदय स्वास्थ्य से जुड़े अन्य लेखों में बार-बार इस चिंता को व्यक्त किया है कि भारतीय समाज में बदलती जीवनशैली हमारे दिल के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। आज यह चिंता और अधिक प्रासंगिक हो गई है। हमारे आसपास ऐसे अनेक युवा दिखाई देते हैं जो कम उम्र में ही उच्च रक्तचाप, मोटापा, मधुमेह, कोलेस्ट्रॉल और हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। प्रश्न केवल यह नहीं कि हृदय रोग क्यों बढ़ रहे हैं, प्रश्न यह भी है कि हमने अपनी जीवनशैली को हृदय के विरुद्ध क्यों बना दिया है?

आज सुविधा ने श्रम को काम कर दिया है। घंटों बैठकर काम करना, मोबाइल और कंप्यूटर पर लगातार सक्रिय रहना, पैदल चलने के आदत का कम होना, देर रात तक जागना और सुबह की प्राकृतिक लय से दूर होना शरीर की जैविक व्यवस्था को प्रभावित करता है। दूसरी ओर स्वाद और सुविधा के नाम पर अत्यधिक नमक, चीनी, वसा और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी अस्वास्थ्य आहार, शारीरिक निष्क्रियता, तंबाकू, मोटापा, उच्च रक्तचाप, बड़ी हड्डि, रक्तशर्करा और रक्त में वसा को हृदय रोग के प्रमुख जोखिम कारकों में गिनता है।

लेकिन हृदय का संकेत केवल भोजन और व्यायाम का संकेत नहीं है। यह मन का संकेत भी है। तनाव, प्रतियोगिता, असंतोष, क्रोध, ईर्ष्या, चिंता और हर समय आगे निकलने की बैचैनी व्यक्ति के भीतर निरंतर मानसिक दबाव

# भारत चल पड़ा है नई औद्योगिक क्रांति के पथ पर

भारत में आज एक नई औद्योगिक क्रांति प्रारम्भ हो चुकी है, यह विचार अमेरिका की एक जानी मानी निवेश बैंक - जेप्रीज़ ने व्यक्त किया है। भारत में, विशेष रूप से डाटा केंद्र स्थापित करने के उद्देश्य से करोड़ों अमेरिकी डॉलर का निवेश होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने पर केंद्र सरकार की ओर से टैक्स में भारी भ्रकम स्टूट भी प्रदान की जा रही है। अतः भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने की तो जैसे होड़ सी मच गई है। पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत में डाटा केंद्रों की क्षमता दोगुनी हो चुकी है एवं आगे आने वाले 5 वर्षों के दौरान यह क्षमता बढ़कर 10 तब्दु हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। वैश्विक स्तर पर डाटा केंद्र अब एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। साथ ही, भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाईयों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जा रहा है, इसके लिए 1,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निर्धारित की गई है। इसका परिणाम यह है कि सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में विनिर्माण इकाईयों की स्थाना हेतु भारत में 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जा चुका है, और यह आगे भी जारी है।

भारत आज उन चुनिंदा देशों में से एक है, जिनके पास स्पेस क्षेत्र से सम्बंधित नवीनतम तकनीकी उपलब्धता है। भारत में स्पेस क्षेत्र में औद्योग्यवस्था वर्ष 2030 तक 5 गुना तक बढ़ सकती है। वैश्विक स्तर पर एयरो स्पेस के क्षेत्र में मांग एवं आगुर्ति में असंतुलन के चलते भारत लाभ की स्थिति में पहुँच गया है क्योंकि कम लागत और कुशल इंजीनियरिंग टैलेंट आज भारत में ही सम्भव है। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में भारत आज केवल सीमित नई इकाईयों का उत्पादन बनाने का कार्य करने तक सीमित नहीं

हे बल्कि इस क्षेत्र में उच्चस्तरीय उत्पादों का निर्माण भी करने लगा है। 6 वर्षों में मोबाइल कम्पोनेंट में घरेलू वैल्यू एडिशन लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। सोलर के क्षेत्र में भारत आज वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा सोलर पीवी का उत्पादक देश बन गया है इसका परिणाम यह है कि वर्तमान में भारत की 35 तह्णु की सोलर क्षमता चालू है एवं 100 तह्णु की क्षमता पर निर्माण कार्य चालू है।

एशिया की सबसे बड़ी 100 कम्पनियों की सूची में आज भारत की 34 कम्पनियां शामिल हो चुकी हैं। कुल मिलाकर, पूर्व में भारत केवल फर्मा, टेस्टायल, स्मिडल, ऑटोमोबील एवं सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में ही वैश्विक स्तर पर उक्त उत्पादों का निर्यात करने में सफल हो रहा था परंतु आज स्थितियां बदल गई हैं एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे टायर केंद्र, सेमीकंडक्टर उत्पादन, स्पेस क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक परक, सोलर क्षेत्र, सूचना क्षेत्र में भी वैश्विक स्तर पर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत में उपलब्ध टैलेंट एवं श्रम के भरोसे विश्व की कई बड़ी कम्पनियों के बीच आज भारत में विशाल वैश्विक योग्यता केंद्रों (जीसीसी) की स्थापना करने की होड़ सी लग गई है। ब्रिटेन में फार्मा के क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनी - एस्ट्रा जेनेका ने चेन्नई में एक विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है। बैंक ऑफ अमेरिका ने अपना सबसे बड़ा बैंक ऑफिस कार्यालय पुणे में स्थापित किया है, इस बैंक के पूरे विश्व में बैंक ऑफिसों में कार्य कर रहे 1,10,00 कर्मचारी इस केंद्र का ब्रेन बन गए हैं। अमेरिका के सबसे पुराने वित्तीय संस्थानों में से एक बैंक ऑफ न्यूयॉर्क, मैलेन ने पुणे



में 'ए मेरे वतन के लोगों' ने राष्ट्रीय भावना को आवाज दी। जवाहरलाल नेहरू की आँखें नम हुईं और पूरा देश भावुक हो उठा। उस क्षण लता केवल गायिका नहीं रहीं; उनकी आवाज राष्ट्र की साझा संवेदना बन गई।

लता की महानता केवल उनकी आवाज में नहीं, उस आवाज के पीछे की साधना में थी। वे स्टूडियो समय से पहले पहुँचतीं, गीत के हर शब्द को समझतीं और उस गाने से पहले भीतर उतारती थीं। उनके लिए स्वर तकनीक नहीं, साधना था। वे स्टूडियो को मदिर मानती थीं और अक्सर नौ पाँव गीत रिखाई करती थीं। नौशाद, मदन मोहन, शंकर-जयकिशन और आर.डी. बर्मन जैसे संगीतकारों के साथ उनका रिश्ता केवल काम तक सीमित नहीं रहा; उनकी रचनासाधना एक-दूसरे के विस्तार बनी। छत्तीस से अधिक भाषाओं में तीस लाख से अधिक गीतों का सफर भारतीय संगीत पर उनकी अमिट छाप है। हिंदी सिनेमा को व्यापक पहचान देने के साथ उन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं में भी अपनी गहरी उपस्थिति दर्ज की, जिसकी गूँज आज भी सुनाई देती है।

कुछ दिवसों का जीवन से नहीं, लगातार मौजूदगी से गिरती हैं। लता ने भी यही किया। आज दौर में महिला कलाकारों के लिए सीमाएँ तय थीं, उन्होंने बिना शोर उन सीमाओं को पार किया। उनकी कोमल आवाज ने बता दिया कि ताकत उँचा बोलने में नहीं, असर छोड़ने में होती है।

पदा करती है। भौतिक उपलब्धियां बढ़ती जाती हैं, लेकिन मानसिक शांति घटती जाती है। हमने मनाकों को बढ़ा दिया, लेकिन मन को छोटा कर लिया; साधन बढ़ाए, लेकिन संतोष कम कर दिया। यही आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना है। इसलिए हृदय की चिकित्सा केवल अस्पताल में नहीं, जीवनशैली में भी खोजनी होगी। सुख की सैर, नियमित व्यायाम, योग, प्रणायाम, ध्यान, पर्याप्त नींद, संतुलित भोजन और नरेश से पूर्ण दूरी हृदय की सुरक्षा के सामान्य लेकिन अत्यंत प्रभावी उपाय हैं। भोजन में प्राकृतिक एवं पौष्टिक पदार्थों, फल-सब्जियों और साबुत अनाज को स्थान देना तथा अत्यधिक नमक, चीनी और संतृप्त वसा को सीमित करना जरूरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जीवनशैली में ऐसे बदलाव तथा उच्च रक्तचाप, मधुमेह और रक्त में बढ़े वसा का समय रहते उपचार हृदयाघात और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकता है।

सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है—समय रहते जांच। हृदय रोग कई बार अचानक सामने आता हुआ दिखाई देता है, जबकि उसके जोखिम कारक वर्षों से शरीर में विकसित हो रहे होते हैं। रक्तचाप, रक्तशर्करा, कोलेस्ट्रॉल, वजन और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार अस्वास्थ्य जांचों को उम्र और जोखिम के अनुरूप नियमित रूप से करना चाहिए। सीने में दबाव या दर्द, सांस फूलना, असामान्य पसीना, चक्कर या दर्द का हाथ, कंधे, पीठ अथवा जबड़े तक जाना जैसे संकेतों को सामान्य श्रवण मानकर टालना खतरनाक हो सकता है। हृदय सामने में समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, शीघ्र चिकित्सा सहायता जीवन बचाने में निर्णायक हो सकती है।

यहां चिकित्सा विज्ञान के सामने भी एक बड़ी जिम्मेदारी है। आज जब हृदय रोग समाज के हर तने बड़े हिस्से को प्रभावित कर रहे हैं, तब हमें और अधिक सुलभ, सस्ती, शीघ्र पहचान करने वाली और प्राभावी स्वास्थ्य-तकनीकों की आवश्यकता है। ऐसी जांच-पड़तीयें विकसित हों जो प्रारंभिक अवस्था में हृदय संबंधी जोखिमों की पहचान कर सकें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल स्वास्थ्य, दूरस्थ चिकित्सा, पहनने योग्य स्वास्थ्य उपकरणों और आधुनिक निदान तकनीकों का उपयोग आम नागरिक तक पहुंचना चाहिए। चिकित्सा अनुसंधान का लक्ष्य केवल जटिल हृदय रोग का उपचार करना नहीं, बल्कि रोग पैदा होने से पहले उसके खतरों को पहचानना भी होना चाहिए।

सरकारों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हृदय स्वास्थ्य को केवल अस्पतालों और विशेषज्ञ चिकित्सकों तक सीमित नहीं रखा जा सकता।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत बनाकर रक्तचाप, मधुमेह और हृदय जोखिम की नियमित जांच को व्यापक बनाया जाना चाहिए। स्कूलों और

एवं चेन्नई में वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना की है। आरटीपीसीयल इंस्टीट्यूट्स के क्षेत्र में कार्य करने वाला बोस्टन की एक कम्पनी ने फरवरी 2026 में हैदराबाद में विशाल स्तर पर अपने एक अंतरराष्ट्रीय कार्यालय की स्थापना की है।

बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई एवं पुणे में आज 1,700 से अधिक वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, इन केंद्रों में 19 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। भारत आज आउटसोर्सिंग हब से आगे बढ़कर ऊपर स्तरीय टैलेंट केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। भारत में स्थापित किए गए कुल वैश्विक योग्यता केंद्रों में से लगभग 65 प्रतिशत इन अमेरिकी कम्पनियों द्वारा स्थापित किए गए हैं। इन कम्पनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में की जा रही रीसर्च का कार्य इन केंद्रों पर सम्पन्न हो रहा है एवं टेक्नालॉजी के क्षेत्र में नए नए उत्पादों का निर्माण भी इन्हीं केंद्रों में किया जा रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही अमेरिका की ही एक कम्पनी टूब्रिज ने भी फरवरी 2026 में मुंबई में वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है, इस केंद्र को आगे आने वाले समय में और अधिक विस्तार दिया जाने वाला है। इसी प्रकार, जीमा, बैकिया, स्वास्थ्य, साइबर सिक्युरिटी, फार्मा एवं सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्यरत अन्य कम्पनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं।

पूर्व में, अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों को भारत से बेन ड्रेन हो रहा था, परंतु अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं एवं अब विशेष रूप से अमेरिका से भारत को रीसर्स बेन ड्रेन होने लगे हैं क्योंकि ट्रम्प प्रशासन की नीतियों के चलते अनेक देशों से

या के लिए वे प्रेरणा बना कि कौन परीस्थायी में विश्रिष्ट रास्ता बना सकते हैं। अपार सम्मान और वैभव नकी सादगी बनी रही। वे कहती थीं, 'मेरा सबसे बड़ा ना का प्यार है।' पद्म भूषण (1969), पद्म विभूषण (1979) तथा साहब फाल्के पुरस्कार (1989), भारत रत्न (1990) पर फ्रांस का लीजोन ऑफ़ ऑनर (2009) उन्हें मिले। पहचान इन सम्मानों से कहीं बड़ी रही।

कुछ विवादियों केवल एक व्यक्ति को दूर करती हैं, कुछ पूरे युग की धड़कन का स्वर धाम देती हैं। 6 फरवरी 2022 को लता मंगेशकर के निधन पर ऐसा ही लगा, जैसे भारतीय संगीत को एक अनुपम धारा रुक गई हो। लेकिन महान स्वर्गमृत्यु के साथ समाप्त नहीं होते, वे स्मृतियों में जीवित रहते हैं। आज भी किसी पुराने गीत की पहली पंक्ति सुनते ही उनकी आवाज भीतर उतर जाती है—कभी माँ की ममता बनकर, कभी मंदिर की घंटी—सी पवित्रता लेकर, तो कभी राग की महारह भी बनकर। देह चली गई, लेकिन आत्मा आज भी धरो, रेडियो और दिलों में जीवित है। पीढ़ियों बदलेंगी, समय आगे बढ़ेगा, मगर लता की आवाज हर दौर में लौटती रहेगी। शायद अमरता यही है—देह का चले जाना और स्वर का रह जाना।

लता मंगेशकर का जयंती उनके विराट योगदान को याद करने का अवसर है—उस स्वर-साम्राज्य का, जिसका कोई सिंहासन नहीं था, फिर भी करोड़ों दिलों पर उसका राज था। उनका जीवन बताता है कि कलाकार केवल उपलब्धियों से बड़ा नहीं होता; वह तब मानक बनता है, जब उसकी साधना और प्रतिभा समय की कसौटी पर खरी उतरती है। उन्होंने गायन को सुर-ताल से आगे भावों की ऐसी भाषा दी, जिसे पीढ़ियों ने अपने जीवन में महसूस किया। कठोर प्रयास, अनुशासन और सादगी उनकी साधना की पहचान रही। हजारों गीतों में भारतीय जीवन के अनागत रंग साध और पार्श्वगायन को नई ऊँचाई मिली। संगीत के रूप बदलेंगे, सुनने के ढंग बदलेंगे, लेकिन लता मंगेशकर का योगदान भारतीय संगीत की बुनियाद में दर्ज रहेगा। उन्होंने केवल गीत नहीं गाए; उन्होंने भारतीय मन को गुनगुनाने की एक स्थायी भाषा दे दी।

## कृति आरके जैन

कोलजो में शारीरिक गतिविधि एवं पौष्टिक भोजन को प्रोत्साहन मिले। शहरों में पैदल चलने और साइकिल चलाने के सुरक्षित मार्ग बूढ़ों, तंबाकू, निनत्रण, स्वस्थ खाद्य विकल्पों को बढ़ावा, अत्यधिक नमक एवं अस्वास्थ्यकर रसों को कम करने के प्रयास और वायु प्रदूषण पर नियंत्रण को हृदय स्वास्थ्य की व्यापक नीति का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी जनस्वास्थ्य नीतियों, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं और जोखिम कारकों के निनत्रण को हृदय रोगों की रोकथाम का महत्वपूर्ण आधार मानता है।

इसके साथ ही सरकारों को 'हार्ट हेल्थ इंडिया अभियान' जैसे व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रमों पर विचार करना चाहिए, जिसमें गांव से महानगर तक निःशुल्क या सस्ती हवाई-जान, रक्ताचाप एवं मधुमेह स्क्रीनिंग, जीवनशैली परामर्श, आपदातंत्रालय हृदय उपचार की जानकारी और पुनर्वास सेवाओं को जोड़ा जा सके। कंपनियों और संस्थानों में भी कर्मचारियों के लिए 'हेल्दी हार्ट' कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। सामाजिक संस्थाएँ, विद्यालय, धार्मिक संगठन और मीडिया मिलकर इसे जन-आंदोलन का रूप दे सकते हैं।

दरअसल, हृदय की रक्षा केवल डॉक्टर की जिम्मेदारी नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी है। परिवार अपने भोजन और दिनचर्या को बदल सकता है, विद्यालय बच्चों में स्वस्थ आदतें विकसित कर सकते हैं, कार्यस्थल शारीरिक सक्रियता के अवसर दे सकते हैं और सरकार ऐसी नीतियाँ बना सकती है जो स्वस्थ विकल्पों को आसान एवं सुलभ बनाएँ।

विश्व हृदय दिवस केवल एक दिन की औपचारिक जागरूकता का अवसर न बने। यह हमें अपने जीवन की दिशा पर पुनर्विचार करने का अवसर दे। हमें यह समझना होगा कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए किसी चमत्कार की प्रतीक्षा नहीं करनी है; छोटे-छोटे हीलथी निर्णय ही बड़े परिणाम देते हैं। आज आजा घंटा चलाना, आज भोजन में संयम रखना, आज तनाव को कम करना, आज धूम्रपान को छोड़ना, आज अपनी जांच कराना—ये छोटे-कदम कल किसी बड़े संकेत को रोक सकते हैं।

हृदय की धड़कन हमेशा एक संदेश देती है—जीवन अनमोल है, इसे असंशुद्धि जनशैली के हवाले मत करो। आधुनिकता अपनाएँ, लेकिन प्रकृति से संबंध न तोड़ें; सुविधाएँ लें, लेकिन श्रम को जीवन से बाहर न करें; सफलता पाएँ, लेकिन स्वास्थ्य की कीमत पर नहीं।

विश्व हृदय दिवस पर स्वस्थ यही हो—दिल को केवल धड़कने नहीं, स्वस्थ, शांत और प्रसन्न रहने दें। क्योंकि स्वस्थ हृदय ही स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज की आधारशिला है।

ललित गग

(लेखक- प्रहलाद सबनानी / ईएमएस)

## बैतूल में धर्मांतरण को लेकर हड़कंप!

**सदर के स्कूल में 100 से ज्यादा लोगों का धर्म परिवर्तन कराने का आरोप - राष्ट्रीय हिंदू सेना ने मौके पर पहुंचकर किया जमकर हंगामा, पुलिस ने 2 लोगों को हिरासत में लिया, कोतवाली में शिकायत**



**यश भारत, बैतूल।** बैतूल कोतवाली थाना क्षेत्र के सदर में रविवार को धर्मांतरण को लेकर जमकर बवाल मच गया। एक स्कूल में सौ से अधिक लोगों के धर्मांतरण की सूचना पर राष्ट्रीय हिंदू सेना के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची और हालात को संभाला।

**स्कूल में प्रार्थना सभा के नाम पर धर्मांतरण का आरोप**

राष्ट्रीय हिंदू सेना के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय ने बताया कि सदर के एक स्कूल में दो लोगों द्वारा एक सैकड़ से अधिक लोगों को इकट्ठा कर धर्मांतरण करवाया जा रहा था। सूचना पर हिंदू सेना के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे तो वहां प्रार्थना सभा चल रही थी और उसमें कई लोग शामिल थे। धर्मांतरण की जानकारी तुरंत कोतवाली पुलिस को दी गई। देखते ही देखते राष्ट्रीय हिंदू सेना के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए और धर्मांतरण का विरोध शुरू कर दिया। काफी देर तक हंगामा और विरोध प्रदर्शन चलता रहा।

**पुलिस ने 2 लोगों को हिरासत में लिया, जांच शुरू**

मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने हिंदू सेना के कार्यकर्ताओं को समझाझा दी और कार्रवाई का भरोसा दिलाया। पुलिस दो लोगों को पृछताछ के लिए हिरासत में लेकर थाने आई है, जिनसे पृछताछ की जा रही है। कोतवाली थाना प्रभारी देवकरण डेहरिया ने बताया कि धर्मांतरण का आरोप लगाया गया है। इस मामले में संबंधितों से पृछताछ की जा रही है। धर्मांतरण करते पाए गए तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

**हिंदू सेना ने दी आंदोलन की चेतावनी**

राष्ट्रीय हिंदू सेना ने इस मामले में कार्रवाई के लिए कोतवाली थाने में लिखित शिकायत भी दर्ज कराई है। हिंदू सेना के दीपक मालवीय ने बताया कि कुछ मिशनरी से जुड़े लोग भोली-भाली जनता को लालच देकर धर्मांतरण करवा रहे हैं। अगर इस मामले में ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो हिंदू सेना द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा।

## चिंता के 24 घंटे बाद लौटी दो मासूम बेटियां

**यश भारत बैतूल।** बैतूल घर से बिना बताए चली गई दो नाबालिग बालिकाओं की तलाश को लेकर परिजनों की चिंता के बीच बैतूल पुलिस ने संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई करते हुए दोनों को 24 घंटे के भीतर सकुशल दस्तयाब कर लिया। दोनों बालिकाएं मुर्तिजापुर रेलवे स्टेशन से मिलीं। पुलिस ने आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें सुरक्षित रूप से उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

**बिना बताए घर से निकली थीं दोनों बहनें**

पुलिस के अनुसार 26 सितंबर को

चौकी सोनाघाटी, थाना कोतवाली क्षेत्र से दो नाबालिग बालिकाएं बिना बताए घर से चली गई थीं। परिजनों की सूचना पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 807/2026 एवं 808/2026, धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण दर्ज कर तत्काल तलाश शुरू की गई।

**हर सूचना को बनाया सुराग, रेलवे पुलिस से जोड़ा संपर्क**

नाबालिगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पुलिस अधीक्षक बैतूल वीरेंद्र जैन के निर्देशन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक देवकरण

## मुर्तिजापुर रेलवे स्टेशन से सकुशल दस्तयाबी, कोतवाली पुलिस की त्वरित कार्रवाई से परिजनों के चेहरे पर लौटी मुस्कान



डेहरिया एवं चौकी प्रभारी सोनाघाटी चित्रा कुमरे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तलाश तेज की।

पुलिस टीम ने तकनीकी माध्यमों से प्राप्त सूचनाओं का विश्लेषण किया और संभावित स्थानों पर लगातार नजर रखी। बालिकाओं की सुरक्षित

चल गया।

**परिजनों के चेहरे पर लौटी राहत**

दोनों बालिकाओं को सकुशल बरामद किए जाने की सूचना मिलते ही परिजनों की चिंता राहत में बदल गई। पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद दोनों को उनके परिवारों के सुपुर्द कर दिया।

**बच्चा लापता हो तो ईंतजार न करें**

पुलिस अधीक्षक बैतूल वीरेंद्र जैन ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई नाबालिग बालक या बालिका बिना बताए घर से चला जाता है तो

परिजनजन समय गंवाए बिना तत्काल निकटतम थाना अथवा डायल-112 पर सूचना दें। सूचना मिलते ही पुलिस गुप्तशुद्धी दर्ज कर तकनीकी माध्यमों के साथ रेलवे पुलिस, बस स्टैंड तथा अन्य संबंधित इकाइयों से समन्वय स्थापित कर तलाश शुरू करती है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के साथ संवाद बनाए रखने और उनकी सुरक्षा को लेकर जागरूक रहने की भी अपील की है कि बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि किसी भी परिस्थिति में बिना परिवार को बताए घर से बाहर न जाएं और किसी परेशानी की स्थिति में तत्काल अपने माता-पिता अथवा किसी विश्वसनीय व्यक्ति को जानकारी दें।

## मुलताई-छिंदवाड़ा हाईवे पर मौत बनकर खड़ा है ट्रक!

**ड्डुआ के डैंजर मोड़ पर महीने भर से बीच सड़क पर खड़ा खराब ट्रक - सर्पाकार मोड़ पर नहीं दिखता सामने से आ रहा वाहन, रात में और बढ़ जाता है खतरा, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा**

**यश भारत, बैतूल/मुलताई।** मुलताई मुलताई - छिंदवाड़ा नेशनल हाईवे पर ड्डुआ के पास पिछले करीब एक महीने से एक खराब ट्रक बीच सड़क पर मौत बनकर खड़ा है। प्रशासन की अनदेखी के चलते यह ट्रक अब बड़े हादसे को दावत दे रहा है।

**डैंजर पॉइंट पर खड़ा है ट्रक**

ग्रामीणों के अनुसार ड्डुआ के पास जिस स्थान पर ट्रक खड़ा है, वह पहले से ही डैंजर पॉइंट के रूप में जाना जाता है। यहां सर्पाकार मोड़ होने के कारण सामने से आने वाला वाहन अचानक दिखाई देता है। तकनीकी खराबी के कारण खड़े इस ट्रक ने खतरा और बढ़ा दिया है। वाहन चालक जब मोड़ पर पहुंचते हैं तो उन्हें ट्रक से बचते हुए आगे निकलने के लिए अचानक दिशा बदलनी पड़ती है। सामने से उसी समय कोई तेज रफ्तार वाहन आ जाए तो सीधी टक्कर की आशंका बनी रहती है।

**रात के समय स्थिति और ज्यादा खतरनाक**

ग्रामीण राजु मगरदे ने बताया कि ट्रक पिछले एक महीने से इसी जगह पर खड़ा है। ट्रक में तकनीकी खराबी आने के बाद इसे सड़क से हटाय नहीं गया। उनका कहना है कि आए दिन इस मार्ग से बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं और सड़क पर ट्रक खड़े रहने से हादसे का खतरा बना रहता है। रात के समय स्थिति और ज्यादा खतरनाक हो जाती है, क्योंकि अंधेरे में मोड़ पर खड़ा ट्रक दूर से स्पष्ट दिखाई नहीं देता।



**चालकों और राहगीरों की जान पर खतरा**

ऐसे में वाहन चालकों और राहगीरों की जान पर खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने मांग की है कि ट्रक को तत्काल सड़क से हटया जाए और जब तक उसे हटया नहीं जाता, तब तक मौके पर पर्याप्त चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर और सुरक्षा व्यवस्था की जाए, ताकि रात के समय वाहन चालकों को ट्रक की मौजूदगी का पहले से पता चल सके। ग्रामीणों का कहना है कि हादसा होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय पहले ही संभावित खतरे को दूर किया जाना जरूरी है। यदि समय रहते ट्रक को नहीं हटाय गया तो किसी बड़े हादसे के बाद ही प्रशासन जागेगा।

### इंदौर

## राजबाड़ा पर सिटी बस ने तीन लोगों को कुचला

**एक की मौत; दो गंभीर घायल, चालक की लापरवाही से हादसा**

**इंदौर, यश भारत।** इंदौर के राजबाड़ा इलाके में रविवार को सरकारी सिटी बस (पीएम बस सेवा) की चपेट में आने से तीन लोग घायल हो गए। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। तीनों की फिलहाल पहचान नहीं हो सकी है। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने बस को घेर लिया और उसमें सवार यात्रियों को बाहर निकाला। इसके बाद भीड़ ने बस पर पथराव शुरू कर दिया। ईट-पत्थर मारकर बस के कांच फोड़ दिए गए।

**चालक की लापरवाही से हादसा**

एमजी रोड थाना प्रभारी विजय सिसौदिया के मुताबिक हादसा



राजबाड़ा क्षेत्र में हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सिटी बस चालक की लापरवाही के चलते सड़क से गुजर रहे तीन लोग बस की चपेट में आए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने घायलों को संभाला और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

**बस में तोड़फोड़, पुलिस जांच में जुटी**

हादसे के बाद राजबाड़ा पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। आक्रोशित लोगों ने बस को घेरकर उसमें बैठे यात्रियों को बाहर निकाला और उसके बाद बस पर पथराव कर दिया। पथराव में बस के कई कांच टूट गए। घटना के बाद मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस के मुताबिक मृतक और दोनों घायलों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। उनकी पहचान के लिए पुलिस आवश्यक जानकारी जुटा रही है। पहचान होने के बाद परिजनों में उपचार जारी है। पुलिस ने हादसे के कारणों और बस चालक की भूमिका की जांच शुरू कर दी है।

## कृष्णापुरा छतरी पर 16 दिवसीय सर्वधर्म सामूहिक तर्पण शुरू

**ज्ञात-अज्ञात दिवंगतों की स्मृति में आयोजन, 10 अक्टूबर तक प्रतिदिन होगा निःशुल्क तर्पण**

**इंदौर, यशभारत।** ज्ञात-अज्ञात दिवंगतों की आत्मशान्ति और उनकी स्मृति में सर्वधर्म सामाजिक समभाव का संदेश देते हुए कृष्णापुरा छतरी पर शनिवार से 16 दिवसीय निःशुल्क सामूहिक तर्पण अनुष्ठान शुरू हुआ। अनंत सेवा न्यास एवं विश्व ब्राह्मण समाज संघ के तत्वावधान में आयोजित अनुष्ठान के पहले दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पितरों के निमित्त तर्पण किया।

अनुष्ठान का संचालन विश्व ब्राह्मण समाज संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अनंत सेवा न्यास के संरक्षक-संयोजक पं. योगेंद्र महंत, पं. अनंत महंत, भागवत मर्मज्ञ अशोक चतुर्वेदी और सुरेश पाठक के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार अनुष्ठान 10 अक्टूबर, सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या तक चलेगा।

प्रतिदिन सुबह 8 से 11 बजे तक योग्य आचार्यों द्वारा विधि-विधान से सामूहिक तर्पण कराया जाएगा। श्रद्धालुओं से तर्पण के लिए सोला (धोती) और गमछा (उत्तरीय) साथ लाने का



आग्रह किया गया है। आयोजकों के अनुसार अनुष्ठान की तैयारियां पिछले दो माह से की जा रही थीं। आयोजन के दौरान भागवत कथा भी होगी। 26 सितंबर को पूर्णिमा श्राद्ध से शुरू हुए आयोजन में 27 सितंबर को प्रतिपदा, 28 को द्वितीया, 29 को तृतीया और 30 सितंबर को चतुर्थी-पंचमी के निमित्त तर्पण होगा। 1 अक्टूबर को षष्ठी, 2 को सप्तमी और 3 अक्टूबर को अष्टमी का तर्पण कराया जाएगा। 4 और 5 अक्टूबर को मातृ नवमी, 6 अक्टूबर को दशमी तथा 7 और 8 अक्टूबर को एकादशी-द्वादशी के निमित्त तर्पण होगा। 9 अक्टूबर को चतुर्दशी के

अवसर पर अकाल या दुर्घटना में दिवंगत लोगों के निमित्त तर्पण कराया जाएगा। 10 अक्टूबर को सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या पर ज्ञात-अज्ञात सभी पितरों के निमित्त सामूहिक तर्पण होगा।

तर्पणाचार्य पं. मनोज भार्गव के अनुसार शास्त्रों में श्राद्धकर्म में तिल, चावल, जौ और कुश का विशेष महत्व बताया गया है। उन्होंने कहा कि परिवार के पुरुषों के साथ महिलाओं को भी श्राद्ध कर्म करने का अधिकार बताया गया है। सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या पर उन दिवंगतों के निमित्त भी तर्पण किया जाता है, जिनकी श्राद्ध तिथि ज्ञात नहीं होती।

## आईडीए के लापरवाह अधिकारी, लगा 100 करोड़ का फटका, 34 साल से चली आ रही ग्राम कुमेर्डी जमीन अधिग्रहण कार्रवाई निरस्त

**इंदौर, यशभारत।** मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में जस्टिस संदीप एन. भट्ट की एकल पीठ द्वारा दिए एक महत्वपूर्ण फैसले के बाद आइडीए के हाथ से लगभग 100 करोड़ की जमीन निकल गई। कोर्ट ने फैसला सुनाते करीब 34 साल से चली आ रही इंदौर विकास प्राधिकरण (आइडीए) की स्कीम-139 के लिए जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया को निरस्त कर याचिका दायर करने वाले जमीन मालिकों को जमीन का उपयोग करने की स्वतंत्रता दे दी। मामला उज्जैन रोड स्थित सखेर तहसील के ग्राम कुमेर्डी स्थित पुष्पाबाई कोठारी, वनस्पतिदास और उनके पिता अंबादास कोठारी की सर्वे नंबर 36 की करीब 15 एकड़ जमीन का है जिसे आइडीए की स्कीम 139 में शामिल करने के लिए आइडीए ने 21 मई 1997 को योजना बनाने का प्रस्ताव पारित किया और 7 मई 1999 को ड्राफ्ट स्कीम प्रकाशित की तथा उसके बाद 3 अक्टूबर 2002 को अधिसूचना जारी कर आपत्तियों की सुनवाई पश्चात भूमि अधिग्रहण अधिकारी ने 23 नवंबर 2004 को अर्वाइड पारित किया। इसे लेकर ही उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर कोर्ट को बताया गया कि उन्हें आपत्ति रखने का अवसर नहीं मिला और आज तक मुआवजा नहीं मिला। वहीं, जबकि



सुनवाई दौरान आइडीए ने दावा किया कि मुआवजा राशि जमा की जा चुकी थी और 2003 व 2005 में जमीन का कब्जा भी लिया

गया। आइडीए द्वारा उक्त जमीन का कब्जा लिए जाने का यह विवाद सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच चुका था जहां सुनवाई दौरान आइडीए के द्वारा पेश कथित कब्जा पंचनामा के गवाह रामप्रसाद ने हलफनामा देकर कहा था कि उन्होंने कुमेर्डी की जमीन पर कब्जा लेने की कार्रवाई नहीं देखी और उनसे दूसरे स्थान की जमीन के संबंध में हस्ताक्षर कराए गए थे। हाईकोर्ट ने इस बयान को महत्वपूर्ण मानते अपने फैसले में कहा कि जब पंचनामा के स्वतंत्र गवाह ने ही तथ्यों से इनकार किया और याचिकाकर्ता के हस्ताक्षर भी उस पर नहीं हो तो उसे निर्विवाद साक्ष्य नहीं माना जा सकता। ऐसे पंचनामा को कब्जा साबित करने का आधार नहीं बनाया जा सकता। वहीं कोर्ट ने यह भी माना कि रिकॉर्ड के अनुसार याचिकाकर्ता जमीन पर खेती कर रहे हैं और फसल भी खड़ी थी। कोर्ट ने अपने फैसले में इस पर भी गौर करते टिप्पणी की कि सुप्रीम कोर्ट के 10 फरवरी 2016 के आदेश के बाद याचिकाकर्ता ने आपत्तियां दाखिल की थीं, लेकिन लंबे समय तक इन पर अधिकारियों ने निर्णय नहीं लिया जिसके चलते अधिकारियों की निष्क्रियता के कारण अधिग्रहण प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी। वहीं न तो कब्जा लेने का विश्वसनीय प्रमाण है और न याचिकाकर्ताओं को मुआवजा दिया गया।

## बस स्टैंड क्षेत्र के खाद्य प्रतिष्ठानों में मिलीं खामियां, 8 नमूने लिए

**कहीं मेडिकल-पानी जांच की रिपोर्ट नहीं मिली तो कहीं अखबार पर रखी थी रोटी; खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने जारी किए नोटिस**

**इंदौर, यशभारत।** बस स्टैंड क्षेत्र के खाद्य प्रतिष्ठानों में शनिवार को खाद्य सुरक्षा प्रशासन की जांच में कई खामियां सामने आईं। साउथ तुकोगंज के तीन प्रतिष्ठानों में जरूरी दस्तावेज और खाद्य सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाएं अधूरी मिलीं। एक भोजनालय में रोटी समाचार-पत्र पर रखी मिली। कार्रवाई के दौरान विभिन्न खाद्य पदार्थों के आठ नमूने भी जांच के लिए लिए गए।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त एवं नियंत्रक के निर्देशन

तथा कलेक्टर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में की गई कार्रवाई के दौरान साउथ तुकोगंज स्थित भारतीय भोजनालय में खाद्य कर्मियों के मेडिकल प्रमाण-पत्र, पेस्ट कट्रोल, खाद्य परीक्षण और पानी की जांच रिपोर्ट उपलब्ध नहीं मिली। प्रतिष्ठान को सुधार सूचना नोटिस जारी किया जा रहा है।

रानी सराय स्थित साई प्रसाद डाइनिंग हॉल में मेडिकल, पेस्ट कट्रोल, खाद्य परीक्षण और पानी की जांच रिपोर्ट के अलावा कच्चे खाद्य

पदार्थों के उचित रखरखाव तथा खाद्य सुपरवाइजर प्रशिक्षण संबंधी प्रमाण-पत्र भी उपलब्ध नहीं मिले। यहां से मिर्ची और हल्दी पाउडर के दो नमूने लिए गए।

नीलकंठ भोजनालय में कर्मचारियों के मेडिकल प्रमाण-पत्र और पानी की जांच रिपोर्ट नहीं मिली। निरीक्षण के दौरान रोटी समाचार-पत्र पर रखी मिली। यहां से पनीर और चावल के दो नमूने लिए गए। संबंधित कर्मियों पर नोटिस जारी किया जा रहा है।





## कोहली के बल्ले से रिकॉर्ड्स की झड़ी 15 हजार वनडे रन, रचा इतिहास

**तिरुवनंतपुरम, एजेंसी।** विराट कोहली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तिरुवनंतपुरम वनडे में नाबाद 139 रन की तूफानी पारी खेलकर रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। 88 गेंदों में 10 चौकों और नौ छक्कों की मदद से बनाए इन रनों के दौरान कोहली ने वनडे क्रिकेट में 15 हजार रन पूरे किए। उनकी पारी की बदौलत भारत ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। 15 हजार वनडे रन पूरे करने वाले कोहली दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उनके नाम अब 15,080 रन हैं। उनसे आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने वनडे में 18,426 रन बनाए हैं। हालांकि, 15 हजार रन तक पहुंचने में कोहली ने सबसे तेज बल्लेबाज बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने यह मुकाम 303 पारियों में हासिल किया, जबकि तेंदुलकर को 377 पारियां लगी थीं। गेंदों के लिहाज से भी कोहली ने यह उपलब्धि तेंदुलकर से कम गेंदों में हासिल की। इसके बाद कोहली ने लिस्ट-ए क्रिकेट में अपने 60 शतक पूरे कर लिए। वेस्टइंडीज के खिलाफ लगाया गया शतक उनका 60वां लिस्ट-ए शतक रहा और इसके साथ उन्होंने सचिन तेंदुलकर के 60 शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। कोहली के करियर में यह उपलब्धि भी उनके रिकॉर्डों की सूची में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई। भारत में वनडे क्रिकेट में भी कोहली ने नया आंकड़ा छुआ। उनके नाम अब भारतीय जमीन पर 7,006 वनडे रन हो गए हैं। वह किसी एक देश में 7,000 वनडे रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। इस उपलब्धि ने घरेलू मैदान पर उनकी निरंतरता को भी रिकॉर्ड के रूप में दर्ज कर दिया। वेस्टइंडीज के खिलाफ कोहली का यह 10वां वनडे शतक था। श्रीलंका के खिलाफ भी उनके नाम 10 शतक हैं। इस तरह किसी एक विपक्षी टीम के खिलाफ सर्वाधिक वनडे शतक लगाने के मामले में उन्होंने अपने ही रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। 14 हजार से 15 हजार वनडे रन तक पहुंचने का कोहली का सफर भी रिकॉर्ड प्रदर्शन से भरा रहा। उन्होंने सिर्फ 16 पारियों में 1,000 रन पूरे किए। इस दौरान उन्होंने 11 बार 50 से अधिक रन बनाए, जिसमें पांच शतक शामिल रहे। इस 1,000 रन के चरण में उनका स्ट्राइक रेट 107.93 रहा, जो उनके किसी भी 1,000 रन के ब्लॉक में सबसे बेहतर है। तिरुवनंतपुरम का मैदान भी कोहली के रिकॉर्डों का गवाह बना। यहां तीन वनडे पारियों में वह 338 रन बना चुके हैं और इस दौरान एक बार भी आउट नहीं हुए। एक मैदान पर बिना आउट हुए सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने का रिकॉर्ड अब उनके नाम है। मुकामले में लगाए गए नौ छक्के भी उनकी किसी एक बड़े पारी में सर्वाधिक छक्के रहे। कोहली ने 74 गेंदों में शतक पूरा किया, जो वनडे में उनका तीसरा सबसे तेज शतक है। वहीं शुभमन गिल ने 67 पारियों में अपना 10वां वनडे शतक पूरा कर नया भारतीय रिकॉर्ड बनाया। गेंदाबाजी में कुलदीप यादव ने वनडे में 12वां बार चार या उससे अधिक विकेट लिए और भारत के लिए इस मामले में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए। मुकामले में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 295 रन बनाए। जस्टिन ग्रीव्स ने 108 गेंदों में 101 रन बनाए, जबकि जॉन कैमबेल ने 62 और आमिर जांगो ने 58 रन की पारियां खेलीं। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने चार विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 41.4 ओवर में दो विकेट पर 300 रन बनाकर मैच जीत लिया।



## ढिंडोरा 2 अब नेटफिलक्स पर दस्तक देने को तैयार



**मुंबई (ईएमएस)।** दर्शक लंबे समय से अभिनेता भुवन बाम की पॉपुलर सीरीज ढिंडोरा के दूसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस सीरीज ने भुवन बाम के बनाए किरदारों को घर-घर तक पहुंचा दिया था, और अब, ढिंडोरा 2 एक बड़े प्लेटफॉर्म नेटफिलक्स पर दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। यूट्यूब पर रिलीज हुई ढिंडोरा 2 सीरीज की पहली बल्लक सामने आने के बाद फैंस के बीच इसे लेकर उत्साह और बढ़ गया है। हाल ही में सीरीज के अनुभव को लेकर भुवन ने बताया कि इस सीजन को खीनत तक लाना उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था। इसके लिए उन्हें कई ड्राफ्ट, जोक्स और स्टोरीलाइन पर बार-बार काम करना पड़ा। भुवन बाम ने ढिंडोरा 2 बनाने के सफर और अपने जुड़ाव के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, सीरीज ढिंडोरा मेरे लिए बेहद खास है। इसके किरदार पिछले कई सालों में मेरे और दर्शकों के साथ-साथ बड़े हुए हैं। इसके सीजन 2 पर लंबे समय से काम चल रहा था और अब जब इसकी पहली बल्लक दर्शकों के सामने आई है, तो मेरे लिए यह पल काफी यादगार बन गया है। भुवन ने जोर देते हुए कहा, ढिंडोरा 2 में पहले सीजन से ज्यादा पागलपन होगा, लेकिन इसकी सबसे जरूरी बात यह है कि इसमें उस दुनिया का पुराना मजा और अपनापन भी बना रहेगा। मैं नहीं चाहता कि बड़े प्लेटफॉर्म पर जाने की वजह से शो अपनी असली पहचान खो दे। इसलिए कहानी को बड़ा करने के साथ-साथ उन चीजों को भी संभालकर रखा गया है, जिनसे दर्शक पहले सीजन में जुड़े थे। उन्होंने बताया कि सीजन 2 को तैयार करने के दौरान सबसे बड़ी चुनौती कहानी को लेकर थी। इस प्रोजेक्ट पर काम करते हुए कई ड्राफ्ट लिखे गए। सिर्फ कहानी ही नहीं, बल्कि कई जोक्स और स्टोरीलाइन को भी बार-बार बदला गया। मेरा मकसद यही था कि आखिर में जो कहानी दर्शकों तक पहुंचे, वह उन्हें सही लगे और मेरी मौजूदा सोच से भी जुड़ सके। भुवन ने आगे कहा, अब ढिंडोरा 2 जिस मुकाम पर पहुंचा है, वह आज की सोच और मैच्योरिटी से काफी जुड़ा हुआ है। सीरीज में कुछ ऐसे मुद्दों को भी छूने की कोशिश की गई है, जिन पर मैं खुद भरोसा करता हूं। उन्हें उम्मीद है कि पुराने फैंस को इसमें वही अपनापन मिलेगा, जिसके लिए वे इस सीरीज को पसंद करते आए हैं, साथ ही नई ऑडियंस भी इस कहानी और इसके किरदारों से जुड़ पाएगी। बीबीकेवी प्रोडक्शन्स के फाउंडर और प्रोड्यूसर रोहित राज ने भी ढिंडोरा के इस सफर को खास बताया। उन्होंने कहा, एक इंडिपेंडेंट यूट्यूब सीरीज से नेटफिलक्स तक पहुंचना काफी बड़ा सफर रहा है। दूसरे सीजन को बड़े लेवल पर बनाने की कोशिश की गई है, लेकिन टीम ने यह भी ध्यान रखा कि पहले सीजन की वह मस्ती, पागलपन और पहचान कहीं खो न जाए। मालूम हो कि ढिंडोरा का पहला सीजन 2021 में यूट्यूब पर रिलीज हुआ था और उसे दर्शकों का काफी प्यार मिला था।

# 23वाँ राज्य स्तरीय आर्चरी चैंपियनशिप का शुभारंभ, प्रदेशभर से जुटे तीरंदाज

**जबलपुर, यश भारत।** मध्य प्रदेश अमेच्योर आर्चरी एसोसिएशन के तत्वावधान में 23वाँ जूनियर एवं सीनियर राज्य स्तरीय आर्चरी चैंपियनशिप का शुभारंभ रविवार को हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और तीरंदाजी की विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में 70 मीटर रिकर्व, 50 मीटर कंपाउंड और 30 मीटर इंडियन राउंड की स्पर्धाएं आयोजित की गईं। इसमें अलीराजपुर, झाबुआ, धार, धार एसएआई, इंदौर, देवास, खरगोन, उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, भोपाल, नर्मदापुरम, नरसिंहागढ़, जबलपुर, सतना, रीवा, सिंगरौली, भिंड, आमी और सागर सहित विभिन्न जिलों की टीमों ने भाग लिया।

खिलाड़ियों को मेहनत और अनुशासन का संदेश उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि जबलपुर कैंट विधायक अशोक रोहाणी और मध्यप्रदेश ओलिंपिक संघ के सचिव दिग्विजय सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम की

अध्यक्षता मध्य प्रदेश अमेच्योर आर्चरी एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए अखिलेश जैन ने की। इस दौरान डीके विद्यार्थी, वेद कुमार, मध्यप्रदेश राज्य आर्चरी अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक, पुष्पराज सिंह, अभय नायक, दिलीप गर्ग सहित अन्य पदाधिकारी और खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

अशोक रोहाणी ने खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। दिग्विजय सिंह ने खिलाड़ियों को खेल में निरंतर सुधार और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। अध्यक्ष सीए अखिलेश जैन ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एसोसिएशन की ओर से खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए आवश्यक सुविधाएं और हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। वेद कुमार ने नियमित अभ्यास और खेल में निरंतर प्रगति के महत्व पर प्रकाश डाला।

**जूनियर वर्ग के परिणाम-** जूनियर वर्ग की कंपाउंड पुरुष स्पर्धा में राज कौरव ने प्रथम, दीक्षांत

## चेस ओलिंपियाड में भारत को डबल मेडल ओपन कैटेगरी में सिल्वर, महिला टीम ने ब्रॉन्ज जीता



**समरकंद, एजेंसी। भारत ने समरकंद में हुए 46वें चेस ओलिंपियाड में रविवार को 2 मेडल अपने नाम किए। टीम ने ओपन में सिल्वर मेडल जीता। वहीं महिला टीम ब्रॉन्ज जीतने में सफल रही।**

ओपन में वल्ट्‌ड चेस चैंपियन डी गुकेश को हंगरी के र्लेब डुडिन के खिलाफ हार मिली। वहीं टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहे उज्बेकिस्तान को ओपन में गोल्ड जीता। चीन ने महिला वर्ग में गोल्ड हासिल किया।

**ओपन में भारत दूसरे स्थान पर रहा**

ओपन कैटेगरी के आखिरी राउंड में भारत और हंगरी का मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। गुकेश के हार के बाद तर्कअर्जुन एग्रीसी ने तर्कपीटर लेको को हराकर भारत को मुकाबला ड्रॉ करने में मदद की। मेजबान उजबेकिस्तान ने यूक्रेन को 2.5-1.5 से हराकर गोल्ड जीता। निर्णायक गेम में तर्कमुखिद्दीन मादामिनोव ने तर्करोमेन देहवियारोव को हराया। जर्मनी ने नीदरलैंड्स



को 2.5-1.5 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता। भारत और जर्मनी के अंक बराबर रहे, लेकिन टाईब्रेक के आधार पर भारत को सिल्वर मेडल मिला।

**सविता ने ड्रॉ खेल महिला टीम को ब्रॉन्ज दिलाया** महिला वर्ग में भारत का आखिरी राउंड जॉर्जिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ रहा। दूरूसविता श्री ने मुश्किल स्थिति से वापसी करते हुए जॉर्जिया की दूरुमेरी अरबिडजे के खिलाफ ड्रॉ हासिल किया। इससे भारत पोंडियम पर जगह बनाने में सफल रहा। चीन ने वियतनाम को 3-1 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। कजाखस्तान ने पोलैंड के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलकर सिल्वर हासिल किया। चीन ने दूसरे स्थान पर रहे कजाखस्तान से दो अंक आगे रहते हुए अपना सातवां महिला चेस ओलिंपियाड गोल्ड जीता। भारत ने टाईब्रेक के आधार पर अमेरिका, पोलैंड, आर्मेनिया और मंगोलिया को पीछे छोड़ते हुए ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

# ओटीटी पर काम कर खुश हैं आशा नेगी, कहती हैं - अब प्रोजेक्ट्स के बीच अपनी जिंदगी जी पाती हूं

**मुंबई (ईएमएस)।** अभिनेत्री आशा नेगी इन दिनों अपनी वेब सीरीज अली बाबा और 40 भूत में अलीशा निगम के किरदार से दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बना रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में एक बातचीत में बताया कि वह इस समय अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर काम करने की आजादी का भरपूर लुत्फ उठा रही हैं। उन्होंने अपने टीवी सफर को याद करते हुए कहा कि अब उन्हें ऐसा काम करने में मजा आ रहा है जो उन्हें प्रोजेक्ट्स के बीच थोड़ा खुद के लिए जीने का मौका देता है, और फिर बिल्कुल अलग किरदारों में पदें पर लौटने का अवसर मिलता है। आशा नेगी ने अपनी अभिनय यात्रा



और प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा, मैं एक एक्टर हूं और बस एक्टिंग करना चाहती हूं। अच्छे प्रोजेक्ट्स करना चाहती हूं, चाहे वो ओटीटी हो, फिल्म हो या फिर टेलीविजन। फिलहाल मैं बस आजाद रहना चाहती हूं और इस समय मैं ज्यादा ओटीटी इसलिए कर रही हूं क्योंकि यह एक-दो या तीन महीने में खत्म हो जाता है और फिर आप प्री हो जाते हो। उन्होंने विस्तार से बताया कि ओटीटी पर काम करने के बाद उन्हें अपनी जिंदगी को भी

बेहतर तरीके से जीने का मौका मिलता है। आशा नेगी ने कहा, फिर आप थोड़ी अपनी जिंदगी भी जीते हैं क्योंकि मुझे याद है कि टेलीविजन पर काम करते हुए मेरी अपनी कोई जिंदगी ही नहीं थी। हालांकि, ओटीटी में काम करने के बाद आप थोड़ा अपनी जिंदगी जीते हैं, फिर आप दूसरे प्रोजेक्ट पर जाते हैं और आप एक बिल्कुल अलग किरदार निभा रहे होते हैं।

‘अभिनेत्री आशा नेगी ने जोर देकर कहा कि उन्हें नए-नए किरदारों को एक्सप्लोर करने की यह पूरी प्रक्रिया बेहद पसंद आ रही है, क्योंकि यह उन्हें एक कलाकार के रूप में विकसित होने और विभिन्न भूमिकाओं में ढलने का अवसर देती है। उनकी वर्तमान वेब सीरीज अली बाबा और 40 भूत में, आशा नेगी ने अलीशा निगम नाम की एक घोस्ट हंटर का दमदार किरदार निभाया है।



ठाणे में पली-बढ़ीं और बचपन से ही रेंडियो की दुनिया में काम करने का सपना देखती थीं। इसी सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने रेंडियो स्टेशन में इंटरन के तौर पर काम करना शुरू किया। उस समय फिल्म बैंग बैंग रिलीज होने वाली थी और ऋतिक रोशन अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए



करौले ने द्वितीय और समर जटविया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कंपाउंड महिला वर्ग में त्रिज्या पाटिल प्रथम, नेहा राज द्वितीय और पारुल नंदा तृतीय रहीं।

रिकर्व पुरुष वर्ग में दीपांशु नंदा ने प्रथम, हरि ठाकुर ने द्वितीय और वंश डगर ने तृतीय स्थान हासिल किया। रिकर्व महिला वर्ग में आयशा प्रजापत प्रथम, प्रीति यादव द्वितीय और प्राची भायन तृतीय रहीं।

इंडियन राउंड पुरुष वर्ग में कुश नामदेव ने प्रथम,

रोहित गुप्ता ने द्वितीय और ओम प्रकाश साकेत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इंडियन राउंड महिला वर्ग में ऐश्वर्या सैनी प्रथम, निशा अहिरवार द्वितीय और भाव्या शर्मा तृतीय रहीं।

जूनियर वर्ग की स्पर्धाओं के बाद अब 28 सितंबर से सीनियर वर्ग की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता शुरू होगी। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों के खिलाड़ी रिकर्व, कंपाउंड और इंडियन राउंड स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे।

# जापान के कोच बोले, देश में कबड्डी की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही

**बैंकाक (ईएमएस)।** थाईलैंड की पुरुष कबड्डी टीम के कोच रवींद्र शेठ्टी ने एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने पर खुशी जताते हुए कहा है कि अब देश में कबड्डी की लोकप्रियता बढ़ रही है। यह महाद्वीपीय प्रतियोगिता में थाईलैंड का कबड्डी में पहला पदक है। थाई कोच शेठ्टी भारत के हैं और उनका मानना है कि इस पदक से साफ है थाईलैंड में कबड्डी की लोकप्रियता बढ़ रही है। थाई टीम को जापान के नगोया में हुए सेमीफाइनल मुकामले में भारतीय टीम के हाथों से 28-66 से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद थाई टीम को कांस्य मिला है।

भारतीय टीम ने इस मैच में अपना प्रभाव बनाये रखा, हाफ-टाइम तक टीम ने 37-18 की मजबूत बढ़त ली और अंत में 66-28 के बड़े अंतर से जीत दर्ज की की। भारतीय टीम ग्रुप-ए में अपने सभी चार मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंची थी।

पिछले तीन साल से थाईलैंड में कबड्डी की कोचिंग दे रहे शेठ्टी ने कहा कि उन्होंने 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद वहाँ बिल्कुल शून्य से काम शुरू किया था। उन्होंने कहा, मैं पिछले तीन वर्षों से वहां कबड्डी की कोचिंग दे रहा हूं। मैंने तीन साल पहले वहां शून्य से शुरुआत की थी। मैंने हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद



काम शुरू किया। अब, कबड्डी सीखने के बाद वे आगे बढ़ रहे हैं और थाईलैंड में भी कबड्डी लोकप्रिय हो रही है।

रवींद्र ने बताया कि थाईलैंड में जमीनी स्तर पर कबड्डी के विकास ने गति पकड़ी है, खासकर स्कूली प्रतियोगिताओं और युवा कार्यक्रमों के माध्यम से। उन्होंने कहा, अभी, स्कूली स्तर पर कबड्डी शुरू हो रही है। हमारे अध्यक्ष हर चार महीने में युवा खेल आयोजित करते हैं। इसी वजह से कबड्डी का विकास हो रहा है। कोच ने यह भी बताया कि उनकी अकादमी में अभी 60 से ज्यादा युवा खिलाड़ी हैं, जिनमें 35 लड़कियां और 30 लड़के शामिल हैं, जो थाईलैंड के अलग-अलग हिस्सों जैसे बैंकांक, चोनबुरी और अन्य राज्यों से प्रशिक्षण के लिए आते हैं।



## आलिया भट्ट की फिल्म ‘डॉट बी शाय’ ने जीता मां सोनी राजदान का दिल

**मुंबई (ईएमएस)।** अभिनेत्री आलिया भट्ट की नवीनतम रोमांटिक कॉमेडी फिल्म ‘डॉट बी शाय’ ने शुक्रवार को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक दी, जिसके बाद उनकी मां और अनुभवी अभिनेत्री सोनी राजदान ने फिल्म की दिल खोलकर तारीफ की। सोनी राजदान ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म की स्क्रीनिंग की एक तस्वीर साझा करते हुए निर्देशक श्रींत मुखर्जी और फिल्म से इंडस्ट्री में कदम रखने वाले पाँच नए प्रतिभाशाली चेहरों को विशेष बधाई दी। उन्होंने लिखा, बधाई हो, ये एक शानदार फिल्म है और इसके साथ ही 5 नए टैलेंट ने इंडस्ट्री में कदम रखा है। श्रींत मुखर्जी को दिल से सलाम, दिल और पागलपन से भरी एक फिल्म बनाने के लिए। नए चेहरों की बेहद टैलेंटेड कास्ट ने इसे बखूबी निभाया है। यह फिल्म आलिया भट्ट के लिए निर्माता के तौर पर एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। उन्होंने अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर अपने प्रोडक्शन हाउस इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस के बैनर तले इस फिल्म को रिलीज किया है। श्रींत मुखर्जी द्वारा निर्देशित यह फिल्म मुख्य रूप से चार नए कलाकारों आरुषि बजाज, अंश दुगल, बिर्याका अरोड़ा और पीयूष खाटी को दर्शकों के सामने लेकर आई है। इनके अलावा, अनुभवी कलाकार कुणाल रॉय कपूर, नेहा धूपिया और अनुराग बसु भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में हैं, जिससे कहानी को और गहराई मिलती है।

# ऋतिक के साथ बनाये छोटे से वीडियो ने बदल दी प्राजक्ता के कैरियर की दिशा

**मुंबई (ईएमएस)।** सफल कंटेंट क्रिएटर, अभिनेत्री और लेखिका के तौर पर आज प्राजक्ता कोली डिजिटल दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना चुकी हैं। प्राजक्ता कोली को मोस्टली सेन के नाम से जाना जाता है। कंटेंट क्रिएशन के बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा और मिसमैज्ड से दर्शकों के बीच पहचान बनाई। इसके अलावा वह यूट्यूब के क्रिएटर्स फॉर चेंज प्रोग्राम का हिस्सा बनीं और पूर्व अमेरिकी फस्ट लेडी मिशेल ओबामा के साथ भी काम किया। मालूम हो कि प्राजक्ता का सपना सिर्फ एक रेंडियो जॉकी बनने का था। अपने इस सपने को पूरा करने के लिए वह एक रेंडियो स्टेशन में इंटरनिशर कर रही थीं। उन्हें जरा भी अंदाजा नहीं था कि एक दिन रेंडियो स्टेशन पर ऋतिक रोशन के साथ बनाया गया एक छोटा-सा वीडियो उनके करियर की दिशा पूरी तरह बदल देगा और उन्हें यूट्यूब की दुनिया में ले आएगा। हाल ही में पहला पहला के लेटेस्ट एपिसोड में गोपाल दत्त के साथ बातचीत के दौरान प्राजक्ता ने अपने शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि वह



रेंडियो स्टेशन आए थे। प्राजक्ता ने बताया, रेंडियो स्टेशन पर जब भी कोई एक्टर फिल्म के प्रमोशन के लिए आता था, तो वहां एक तरह की परंपरा थी। टीम के लोग उस एक्टर के गांनों पर डांस करते थे। मैं उस समय इंटरन थी, इसलिए मुझे भी डांस करने के लिए कहा गया। मेरे लिए यह मौका खास था, क्योंकि मैं बचपन से ही ऋतिक रोशन की बड़ी फैन रही हूं। प्राजक्ता ने आगे बताया कि वह डांस करने के लिए तैयार हो गईं और ऋतिक के साथ परफॉर्म भी किया। उस दौरान ऋतिक की टीम में सुदीप भी मौजूद थे, जिन्होंने डांस के बाद प्राजक्ता का ऋतिक के साथ एक छोटा-सा वीडियो भी शूट किया। प्राजक्ता ने कहा, उस समय मुझे लगा भी नहीं था कि इस वीडियो से आगे कुछ होने वाला है। लेकिन इसी वीडियो ने मेरे लिए एक नया रास्ता खोल दिया। सुदीप उनके पास आए और पूछा कि क्या वह इस तरह के वीडियो बनाती हैं। प्राजक्ता ने साफ कहा कि वह ऐसा कुछ नहीं करतीं। इसके बाद सुदीप ने उन्हें अपना कार्ड दिया और सलाह दी कि उन्हें यूट्यूब के लिए कंटेंट बनाना चाहिए।

